दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

"चुनाव नतीजों ने यह संदेश दिया है कि राष्ट्र ने समझा है कि केवल मोदी जी निर्णायक नेतृत्व दे सकते हैं और किसानों, गरीबों, वंचित वर्गों को सशक्त कर सकते हैं। इस चुनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश में केवल एक गारंटी है, वह मोदी की गारंटी है।"
-जेपी नड्डा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

कांग्रेस पर विश्वास और भरोसा जताने के लिए मैं उन सभी का भी धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने हमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में वोट दिया। हमें हताश हुए बगैर 'इंडिया' के घटक दलों के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग जाना है।"
-मल्लिकार्जुन खरगे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, कांग्रेस

वर्ष: 2 | अंक: 354 | जयपुर, सोमवार, 04 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- सप्तमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

फिर मोदी लहर... 2024 के संकेत!

विनायक शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब राजस्थान में रैलियों में बोल रहे थे कि प्रदेश में 'भाजपा आई-गहलोत सरकार गई' तो कम ही लोगों के गले उनका दावा उतर रहा था। राजस्थान ही नहीं, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भी... यानी रविवार को जिन चार राज्यों की विधानसभा के चुनाव के परिणाम आए उनमें इन तीन हिंदी भाषी प्रदेशों में फिर 2014 वाली 'मोदी लहर' साफ तौर पर दिखाई दी। वहीं, पांच चुनावी राज्यों में से एक राज्य दक्षिण भारत का तेलंगाना और दूसरा उत्तर-पूर्व का मिजोरम है। तो, कर्नाटक के अलावा दक्षिण भारत कभी भाजपा के लिए सहज नहीं रहा, वहीं मिजोरम की मतगणना सोमवार को होनी है। खैर याद है,

साल 2014 के आम चुनाव में भी ऐसे ही तमाम कयास, कई एग्जिट पोल्स को धता बताते हुए भाजपा ने प्रधानमंत्री पद के लिए चेहरा बने नरेंद्र मोदी के जादू से अपने बूते स्पष्ट बहुमत से ज्यादा और सहयोगी दलों के साथ मिलकर 336 सीटें हासिल कर सबको चौंका दिया था। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोपों और अन्ना आंदोलन के आलोक में भाजपा की जीत को लेकर तो किसी को शक-सुबहा नहीं था, लेकिन इतनी प्रचंड जीत हासिल होगी कि कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष बनने लायक सीटें भी नहीं जीत पाएगी, किसी ने शायद ही सोचा था। जाहिर है, मोदी बतौर गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर बतौर देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपनी रीति-नीति से हमेशा चौंकाते रहे हैं। और तो और, तीनों राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इस बार भाजपा ने कोई सीएम फेस ही नहीं रखा, बस पीएम मोदी के चेहरे और कमल निशान पर चुनाव लड़ने का फैसला किया। इस फैसले पर खुद भाजपा के भीतर भी सुगबुगाहट हुई थी, लेकिन परिणामों ने सबका मुंह बंद कर दिया। वैसे, कांग्रेस के लिए न तो जातिगत जनगणना, ना ही मुख्यमंत्री गहलोत की चिरंजीवी बीमा योजना, 500 में सिलेंडर (400 गारंटी), ओपीएस आदि मुद्दे तारणहार नहीं बन सके और मोदी लहर उनकी सियासी नाव को ही बहाकर ले गई।

वैसे, एग्जिट और ओपिनियन पोल्स की बात करें तो कुल आए 13 ओपिनियन पोल ने भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान लगाया था। तब भी गहलोत की योजनाओं के घोड़े पर सवार कांग्रेस नहीं संभली और ज्यादातर पुराने चेहरों, खासकर सभी मंत्रियों को टिकट दे दिया, नतीजा सामने है। वैसे, प्रायः सभी ओपिनियन पोल्स ने कांग्रेस को 80 से 95 सीटें मिलने की संभावना जताई थी, क्या हुआ? परिणाम बता गया। फिर, मतदान के बाद 30 नवंबर की शाम को आए 10 प्रमुख एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में से तीन ने कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना जताई, और दो ने बराबरा की टक्कर मानी। जाहिर है, कोई कुछ भी दावा करे फिर चली 'मोदी लहर' ने सभी अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। इतना ही नहीं, अब भी विपक्षी दल नहीं संभले, तो साल 2024 के लोकसभा चुनाव में और भी बुरा हाल होने से इनकार नहीं किया जा सकता। जाहिर है, इन पांच राज्यों के चुनाव को सेमीफाइनल बताने वालों को पता चल गया कि ये चुनावी नतीजे साफ तौर पर 2024 का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं।

मतगणना: मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में खिला कमल, तेलंगाना में कांग्रेस जीती

राजस्थान में नहीं बदला रिवाज... बदल गया राज

प्रदेश में बंपर 115 सीटों के साथ आया बीजेपी का राज, मिजोरम में आज होगी मतगणना

बेधड़क | नई दिल्ली/जयपुर

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को आए चुनाव परिणामों में भाजपा ने मध्य प्रदेश में सत्ता में वापसी करती दिख रही है, वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे कांग्रेस शासित राज्यों को वह उससे छीन लिए। इन चुनावों में कांग्रेस के लिए राहत सिर्फ तेलंगाना से मिलती दिख रही है जहां वह भारी बहुमत की ओर अग्रसर है। पांचवें राज्य मिजोरम में मतगणना सोमवार को होगी। विधानसभा चुनाव वाले इन पांचों राज्यों में लोकसभा की 84 सीट हैं और आगामी लोकसभा चुनाव से पहले यह विधानसभा चुनावों का आखिरी दौर है। इसलिए इस चुनाव को लोकसभा चुनाव से पहले उसका सेमीफाइनल माना गया, जो भाजपा ने जीत लिया। निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक राजस्थान में 199 सीटों पर चुनाव हुए। भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल करते हुए 115 सीटें जीत ली और कांग्रेस को सिर्फ 69 सीटों पर संतोष करना पड़ा। उदयपुरवाटी में कांग्रेस उम्मीदवार भगवानराम सैनी को आखिर देर रात 416 वोट से विजयी घोषित कर दिया गया।

उधर, मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 164 सीट पर जीत के साथ सत्ता में फिर से वापसी कर ली है, जबकि कांग्रेस 65 सीट पर आगे है। वहीं बीएपी ने एक सीट हासिल की। उधर, छत्तीसगढ़ में भाजपा 54 सीट पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी है, वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस को 35 सीटें ही मिली।

तेलंगाना: कांग्रेस को बहुमत

तेलंगाना में कांग्रेस 119 में से 64 सीटों पर विजय प्राप्त कर बहुमत हासिल कर चुकी है, जबकि सत्तारूढ़ बीआरएस को 39, बीजेपी को 8, एआईएमआईएम को 7 तथा सीपीआई को एक सीट मिली है।

पीएम ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की जीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व करार दिया और कहा कि यह जीत विकसित भारत के आह्वान और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की जीत है। प्रधानमंत्री चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में बीजेपी के पक्ष में नतीजे आने के बाद भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। सभी चुनावी राज्यों के मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के लोगों ने भाजपा पर भरपूर विश्वास दिखाया है, तो तेलंगाना में भी भाजपा के प्रति समर्थन लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनावों में भाजपा ने मतदाताओं से जो वादे किए हैं, उन्हें शत-प्रतिशत पूरा करेगी। उन्होंने कहा, 'यह मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी।' पीएम ने विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में देश को जातियों में बांटने की बहुत कोशिश हुई।

देश में 4 जातियां ही सबसे बड़ी

पीएम मोदी ने कहा, देश में चार जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं। मैं जब इन जातियों की बात करता हूं, तो इसमें हमारी नारी शक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार हैं। इन चार जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है। इन चुनाव में इन चारों जातियों ने भाजपा की योजनाओं और रोडमैप को लेकर बहुत उत्साह दिखाया है। आज हर गरीब, हर वंचित, हर किसान और आदिवासी भाई-बहन यह सोचकर खुश है कि उसने जिसे वोट दिया, वह विजय उसकी अपनी है। आज पहली बार मतदान करने वाला मतदाता भी बड़े गर्व के साथ कह रहा है कि मेरा पहला वोट मेरे विजय का कारण बना है। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे।

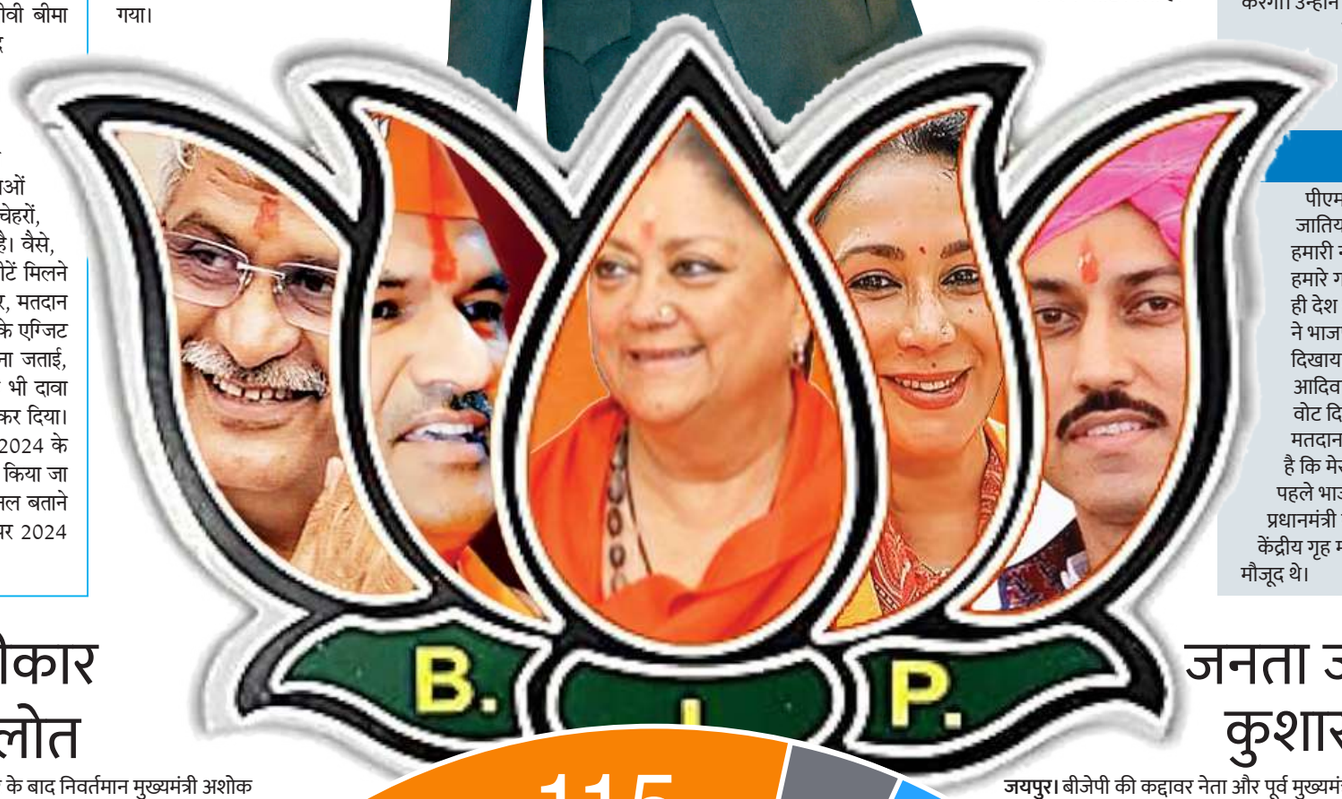

हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं जनादेश: गहलोत

जयपुर। राजस्थान में मिली बुरी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने चुनाव के दौरान हिंदू मुसलमान किया और कई सांप्रदायिक मुद्दों पर बात की। बीजेपी ने कन्हैया लाल का मुद्दा उठाया और राजस्थान में चुनाव होते हुए भी कश्मीर की धारा 370 का जिक्र किया। गहलोत ने कांग्रेस की हार और भाजपा की जीत पर हैरानी जाहिर करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने काम अच्छा किया, लेकिन जनता तक संदेश नहीं पहुंचा पाई। उन्होंने बीजेपी की आगामी सरकार को सलाह दी है कि कांग्रेस सरकार की ओर से शुरू की गई योजनाओं को आगे बढ़ाया जाए। कांग्रेस की हार के बाद गहलोत ने कहा कि राजस्थान की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह सभी के लिए एक अप्रत्याशित परिणाम है। यह हार दिखाती है कि हम अपनी योजनाओं, कानूनों और नवाचारों को जनता तक पहुंचाने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहे। भाजपा की आगामी सरकार को बधाई देते हुए गहलोत ने कांग्रेस की योजनाओं को बंद नहीं करने की अपील की और नई सरकार को शुभकामनाएं दी।

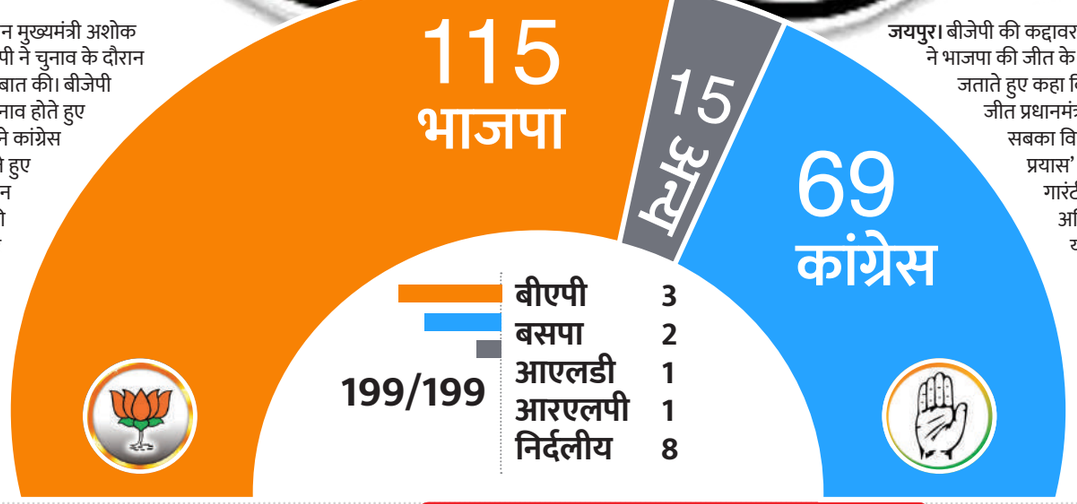

जनता जनार्दन ने कांग्रेस के कुशासन को नकारा: राजे

जयपुर। बीजेपी की कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भाजपा की जीत के लिए प्रदेश की जनता का आभार जताते हुए कहा कि यह राजस्थान की शानदार है। ये जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र 'सबका साथ-सबका विकास- सबका विश्वास और सबका प्रयास' की जीत है। ये जीत उनकी दी हुई गारंटी की जीत है। ये जीत केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति की जीत है और यह जीत हमारे अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व की जीत है। वसुंधरा ने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण, यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की है। उनके अथक प्रयासों की जीत है। उन्होंने दिन-रात प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने की पूरी कोशिश करते हुए उस दिशा में मेहनत की। राजे ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह जीत हमारी जनता जनार्दन की है जिसने कांग्रेस के कुराज को नकारते हुए और भाजपा के सुराज को अपनाने का काम किया है। ये जीत 2024 में मोदी को फिर से देशवासियों की सेवा का अवसर देने का इरादा बताने वाली जीत है।

CM पद से राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। लगभग 11 घंटे चली मतगणना में जैसे ही रुझान स्थिर हुए गहलोत राज्यपाल कलराज मिश्र के आवास पर पहुंचे और उनको अपना इस्तीफा दे दिया।

ये भी देखें...

जयपुर ग्रामीण में भाजपा को 6 कांग्रेस को 4 सीटें — पेज-2
भाजपा में जीत का जश्न PCC में हार का सन्नाटा — पेज-3
2.92 प्रतिशत वोट बढ़ने से बीजेपी को मिली सत्ता — पेज-4
राजस्थान विधानसभा की 199 सीटों का ब्योरा — पेज-6-7

पूर्व IAS-IPS भी लड़े चुनाव

सोजत से पूर्व CS निरंजन आर्य तो बस्सी से IAS मीना हारे

- चंद्रमोहन मीना को बस्सी से पूर्व आईपीएस कांग्रेस के लक्ष्मण मीना ने हराया
- अन्य सेवाओं के अधिकारियों ने भी आजमाया था चुनाव में भाग्य
- इन पूर्व सरकारी अफसरों में कुछ को जीत तो कुछ को मिली हार

बेधड़क, जयपुर। सालों तक प्रशासनिक सेवा के जरिए लोगों की सेवा करने के बाद चुनाव में भाग्य आजमा रहे भारतीय प्रशासनिक और पुलिस सेवा के अधिकारियों को प्रदेश की जनता ने हार जीत का स्वाद चखा दिया। सबसे दिलचस्प मुकाबला बस्सी विधानसभा में देखने को मिला। वहां कांग्रेस ने पूर्व आईपीएस लक्ष्मण मीणा और भाजपा ने पूर्व आईएएस चंद्र मोहन पर दांव खेला। बाजी आईपीएस लक्ष्मण मीना ने मारी। चंद्रमोहन मीना ने इसी साल जून में भाजपा जॉइन की थी।

पूर्व मुख्य सचिव 31,772 वोटों से हारे

सोजत विधानसभा में भाजपा ने लगातार 5वीं बार बाजी मारी, यहां भाजपा प्रत्याशी शोभा चौहान ने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के निरंजन आर्य को 31,772 मतों से हराया। भाजपा की शोभा चौहान को 94,852 वोट और कांग्रेस के निरंजन आर्य को 63,080 वोट मिले। निरंजन आर्य पूर्व मुख्य सचिव रहे है और वर्तमान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार बन गए थे। सोजत सीट से साल 2018 में उनकी पत्नी संगीता आर्य कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरी थीं, लेकिन हार गई थीं।

पूर्व शिक्षा सेवा अधिकारी पितराम काला पिलानी सीट से जीते

राजस्थान के शिक्षा विभाग में जॉइंट डायरेक्टर पद से सेवानिवृत्ति लेने वाले पितराम काला कांग्रेस के टिकट पर पिलानी विधानसभा सीट से जीत हासिल कर ली है। उन्होंने भाजपा के राजेश दहिया को 13,640 वोटों से हराया है। पितराम काला को कुल 70,905 वोट मिले। वहीं भाजपा के राजेश दहिया को 57,625 वोट मिले, जबकि निर्दलीय कैलाश मेघवाल ने 35,720 वोट हासिल किए। वे इसी जिले में लंबे समय से पदस्थापित थे।

हरिश्चंद्र मीना देवली-उनियारा से विजयी

देवली-उनियारा सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी और पूर्व आईपीएस हरिश्चंद्र मीना ने भाजपा प्रत्याशी विजय सिंह बैंसला (किरोड़ी सिंह बैंसला के पुत्र) को 19,175 वोटों से शिकस्त दी है। मीना प्रदेश के डीजीपी भी रह चुके है। वे सचिन पायलट के करीबी जाने जाते हैं।

पूर्व चीफ इंजीनियर रूपाराम हारे

जैसलमेर सीट पर मौजूदा विधायक और पीएचईडी के पूर्व मुख्य अभियंता रूपाराम मेघवाल को बीजेपी के छोटू सिंह भाटी से शिकस्त मिली है। भाटी ने 18,687 वोटों से जीत हासिल की है। यहां कांग्रेस और बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली थी।

जयपुर ग्रामीण की 10 सीटों में से 6 पर भाजपा और 4 पर कांग्रेस का कब्जा

कहीं नए चेहरों ने दिलाई जीत, कहीं पांच साल की सक्रियता आई काम

दस में से एक ही मौजूदा विधायक लक्ष्मण मीना बचा पाए सीट, मंत्री और मुख्यमंत्री सलाहकार तक हारे

बेधड़क,जयपुर। प्रदेश की जनता ने नई विधानसभा के लिए अपने विधायक चुन लिए है। वहीं जयपुर ग्रामीण की दस सीटों में से छह पर भाजपा तो चार पर कांग्रेस के प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। इस बार भाजपा ने जहां केंद्र सरकार की योजना और प्रदेश सरकार की विफलता के दम पर चुनाव लड़ा तो वहीं कांग्रेस ने भी गहलोत सरकार की गारंटी के दम पर चुनाव लड़ा। भाजपा ने कइ सीटों पर नए चेहरे उतार कर चौंकाया भी। इनमें एक प्रत्याशी उपेन यादव शाहपुरा से तीसरे स्थान पर रहे। वहीं भाजपा के कोटपूतली, चौमूं की कांग्रेस की प्रत्याशी को पहले चुनाव में ही विधानसभा में बैठने का मौका दे दिया। बस्सी में दो पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों के बीच मुकाबला हुआ, जहां आईपीएस ने आईएएस को शिकस्त दी।

शाहपुरा में कांग्रेस की जीत का खुला खाता

बेधड़क. शाहपुरा। *राजस्थान विधानसभा के चुनाव में भाजपा को प्रदेश में प्रचंड बहुमत मिला है, वहीं शाहपुरा सीट पर कांग्रेस ने अपनी जीत का खाता खोला। यहां भाजपा प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे वहीं दूसरे स्थान पर निर्दलीय प्रत्याशी रहा। शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मनीष यादव ने रिकॉर्ड मतों से कांग्रेस की जीत का परचम फहराया। उन्होंने निकटतम प्रत्याक्षी निर्दलीय आलोक बेनीवाल को रिकार्ड 64 हजार 908 मतों से पराजित किया जो जयपुर जिले में सबसे बड़ी जीत है। जबकि भाजपा प्रत्याक्षी उपेन यादव अपनी जमानत भी नही बचा पाए। मनीष यादव की जीत के बाद पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल दिखा। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी के साथ डीजे पर डांस करते हुए एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर जश्न मनाया। जीत के बाद कांग्रेस प्रत्याशी मनीष यादव कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे तो उन्होंने गुलाल उड़ाकर स्वागत किया और डीजे की धुन पर डांस कर खुशी जताई। कार्यकर्ताओं ने जोशीले नारे लगाते हुए रैली निकाली। इस दौरान खुले वाहन में सवार होकर कांग्रेस प्रत्याशी मनीष यादव ने क्षेत्र के मतदाताओं का आभार जताया। गौरतलब है कि शाहपुरा विधानसभा में कांग्रेस पार्टी ने लगातार दूसरी बार मनीष यादव पर भरोसा जताते हुए मैदान मे उतारा था।*

परिणाम के रोचक तथ्य

- वसुंधरा की कोर टीम के भी कई लोग चुनाव हार गए। इसमें पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, प्रहलाद गुंजल, नरेंद्र नागर जैसे नेता शामिल हैं। उधर, कांग्रेस के विश्वेंद्र सिंह, प्रताप सिंह खाचरियावास, बीडी कल्ला, रामलाल जाट, भंवर सिंह भाटी जैसे मंत्री हार गए।
- गहलोत गुट के बीडी कल्ला, सालेह मोहम्मद, प्रताप सिंह खाचरियावास, विश्वेंद्र सिंह, प्रमोद जैन भाया, सुखराम विश्नोई, परसादी लाल मीणा, रामलाल जाट, भंवरसिंह भाटी, रमेश मीणा, गोविंदराम मेघवाल, ममता भूपेश, शकुंतला रावत, राजेंद्र यादव, जाहिदा खान जैसे मंत्री हार गए। वहीं, शांति धारीवाल, उदयलाल आंजना, टीकाराम जूली, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, अशोक चांदना, अर्जुन बामनिया और आरएलडी गठबंधन वाली सीट से सुभाष गर्ग ने जीत हासिल की।
- पायलट गुट के वेद प्रकाश सोलंकी, दीपेंद्र सिंह, अमर सिंह, जीआर खटाना, राकेश पारीक, इंद्रराज गुर्जर जैसे नेताओं को हार मिली। वहीं, मंत्री बृजेंद्र ओला, मुरारी लाल मीणा, हरीश मीणा, समरजीत सिंह, मुकेश भाकर, रामनिवास गावड़िया अपनी सीट बचाने में सफल रहे।
- राजस्थान विश्वविद्यालय के तीनों पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हारे रघु शर्मा, राठोड़, प्रताप सिंह
- सबसे कम अंतर की जीत कोटपूतली से 321 हंसराज पटेल की

नए चेहरों में कितने जीते-कितने हारे

- **कांग्रेस :** डॉ. शिखा बराला, पितराम काला जैसे पहली बार विधानसभा पहुंचेंगे। वहीं, कड़े मुकाबले में आरआर तिवाड़ी, अभिषेक चौधरी जैसों को हार नसीब हुई।
- **भाजपा :** बालमुकुंद आचार्य, गोपाल शर्मा, भजनलाल, नौक्षम चौधरी जैसे नेताओं ने अपना पहला विधानसभा चुनाव जीता। वहीं, चंद्रमोहन बटवाड़ा, रवि नैयर, उपेन यादव, राजेश दहिया जैसे चेहरों को जीत हासिल नहीं हो पाई।

गहलोत सरकार इन 17 मंत्रियों को जनता ने किया अस्वीकार

1. खाजूवाला -	गोविन्द राम मेघवाल
2. कोलायत -	भंवर सिंह भाटी
3. सपोटरा -	रमेश मीणा
4. लालसोट -	प्रसादीलाल मीणा
5. डीग-कुम्हेर -	विश्वेन्द्र सिंह
6. सिविल लाइंस -	प्रताप सिंह खाचरियावास
7. सिकराय -	ममता भूपेश
8. बानसूर -	शंकुतला रावत
9. कोटपूतली -	राजेंद्र यादव
10. बीकानेर पश्चिम -	बीडी कल्ला
11. पोकरण -	सालेह मोहम्मद
12. मांडलगढ़ -	राम लाल जाट
13. सांचौर -	सुखराम विश्नोई
14. निंबाहेड़ा -	उदयलाल आंजना
15. कामां -	जाहिदा खान
16. अंता -	प्रमोद जैन भाया
17. वैर -	भजन लाल जाटव

कोटपूतली: जिला बनवाने के बावजूद हारे मंत्री राजेंद्र यादव

कोटपूतली विधानसभा से भाजपा के हंसराम पटेल विजयी रहे। हंसराम ने कांग्रेस सरकर में मंत्री राजेन्द्र यादव को हराया है। राजेंद्र यादव लगातार तीसरी बार विधायक बनने से चूक गए। 2018 में यादव ने भाजपा के मुकेश गोयल को 13876 वोट से हराया और सरकार में मंत्री बने थे। हालांकि अशोक गहलोत सरकार ने कोटपूतली और बहरोड को जिला बनाकर जनता को अपनी ओर रिझाने की कोशिश भी की, लेकिन ये नाकाफी रही। वहीं इस बार भाजपा ने नए चेहरे पर दांव खेला और सफल रही। चुनावों से पहले राजेन्द्र यादव पर ईडी की कार्रवाई भी हुई थी।

शाहपुरा: भाजपा का नया उम्मीदवार नहीं चला, कांग्रेस के मनीष ने मारी बाजी

शाहपुरा सीट पर हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मनीष यादव ने रिकॉर्ड वोटों से जीत हासिल की है। कांग्रेस प्रत्याशी ने निर्दलीय आलोक बेनीवाल को हराया। मनीष यादव ने 64908 वोटों से आलोक बेनीवाल को हराया। वहीं भाजपा के उम्मीदवार उपेन यादव 11233 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वे पूरे चुनाव में कहीं भी रेस में नहीं दिखाई दिए। भाजपा ने उन्हे ऐनवक्त पर पार्टी का सिम्बल देकर प्रत्याशी बनाया था। पिछले चुनावों में निर्दलीय आलोक बेनीवाल ने कांग्रेस के मनीष यादवा को 3855 वोट से हराया था। वहीं 2013 में राव राजेन्द्र सिंह ने भाजपा की झोली में शाहपुरा की सीट डाली थी।

चाकसू: सरकारी योजनाएं नहीं दिला सकी कांग्रेस को जीत

चाकसू विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी रामावतार बैरवा ने कांग्रेस के वेद प्रकाश सोलंकी को हराया है। वेद प्रकाश सचिन पायलट गुट के विधायक है। साल 2018 के चुनावी मुकाबले में भी इन्हीं दोनों नेताओं के बीच सियासी संग्राम हुआ था, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी ने कम वोटों के अंतर से अपनी जीत हासिल की थी। चाकसू विधानसभा सीट के चुनावी संघर्ष में कांग्रेस प्रत्याशी वेदप्रकाश सोलंकी को 70 हजार से अधिक वोट प्राप्त हुए थे वहीं भाजपा के उम्मीदवार रामावतार बैरवा को 66 हजार से ज्यादा वोट मिले।

विराट नगर: चुनाव प्रचार से ही दिखा जीत का आत्मविश्वास

विराटनगर विधानसभा से भाजपा के कुलदीप धनकड़ चुनाव जीत दज्र की है। उन्होंने कांग्रेस के इन्द्रराज सिंह गुर्जर को हराया है। वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक रामचंद्र सरधाना ने टिकट ना मिलने पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) से चुनाव लड़कर मुकाबला रोचक बना दिया था। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान कुलदीप भाजपा से टिकट की दौड़ में थे, लेकिन पार्टी से टिकट नहीं मिलने के कारण कुलदीप निर्दलीय प्रत्याशी बतौर चुनाव मैदान में उतरे और चुनाव को त्रिकोणीय बना दिया। कुलदीप धनकड़ वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 40 हजार वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे।

चौमूं: नए चेहरे पर जताया आमजन ने विश्वास कांग्रेस की डॉ. शिखा मील बराला विजयी

चौमूं विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी शिखा मील बराला ने भाजपा के मौजूदा विधायक रामलाल शर्मा को हराया है। भाजपा ने जहां अपने विधायक पर विश्वास जताया था, वहीं इस बार कांग्रेस ने महिला चेहरे पर दांव खेला था। हालांकि शिखा मील को टिकिट मिलने पर उनका भारी विरोध भी हुआ था, लेकिन उन्होंने चौमूं के मतदाताओं के दिल में जगह बनाई और चुनाव जीतने में सफल रही। वहीं आरएलपी के छुट्टन यादव ने 42 हजार वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। चौमूं विधानसभा सीट के लिए साल 2018 में हुए चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार रामलाल शर्मा को 70 हजार से अधिक मत प्राप्त हुए थे।

जमवारामगढ़ से भाजपा के महेंद्र पाल ने मारी बाजी, गोपाल मीना हारे

जमवारामगढ़ (एसटी) सीट से बीजेपी के महेंद्र पाल मीना ने कांग्रेस के मौजूदा विधायक गोपाल लाल मीना को 38427 वोटों से हराया है। पिछली बार भी भाजपाा से महेन्द्र पाल और कांग्रेस से गोपाल मीना प्रत्याशी थें जिसमें गोपाल मीना ने महेंद्र मीना को 21,684 वोट से हरा दिया था। क्षेत्र में बढते अपराध से मौजूदा विधायक के विरोध की लहर चल रही थी। प्रचार के दौरान में क्षेत्र के कई इलाकों में कांग्रेस प्रत्याशी को विरोध का सामना करना पड़ा था।

बगरू से कैलाश वर्मा जीते, मौजूदा विधायक को दी शिकस्त

बगरू विधानसभा में भाजपा के कैलाश वर्मा ने कांग्रेस की मोजूदा विधायक गंगा देवी को 39548 वोटों के अंतर से हरा दिया। क्षेत्र में गंगा देवी के खिलाफ विरोध था। कांग्रेस के नेता दीपक डंडोरिया ने उनके खिलाफ नामांकन भी दाखिल कर दिया था, हालांकि बाद में प्रभारी रंधावा से आश्वासन के बाद वे वापस हो गए थे। वहीं 2018 के चुनावी मुकाबले में कांग्रेस की प्रत्याशी गंगा देवी वर्मा को 96 हजार से अधिक वोट मिले थे। कांग्रेस ने 5343 वोटों के अंतर से चुनाव जीता था।

दूदू: नए जिले का तोहफा भी नहीं आया काम, हारे सीएम सलाहकार

प्रदेश के नवगठित दूदू जिले की दूदू सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और मुख्यमंत्री सलाहकार बाबूलाल नागर को भाजपा के प्रेमचंद बैरवा ने हरा दिया। दूदू से बीजेपी के प्रेमचंद बैरवा ने 35299 वोटों से जीत हालिस की है। दूदू विधानसभा को कांग्रेस का गढ़ भी कहा जाता है। कांग्रेस ने बाबूलाल नागर पर पांचवी बार दांव लगाया था। इससे पहले कांग्रेस की गहलोत सरकार ने दूदू को जिला बनाकर मतदाताओं को अपनी ओर खींचने का प्रयास किया था, लेकिन सारे प्रयास धराशायी हो गए और भाजपा ने प्रदेश में पहली जीत के साथ दूदू पर कब्जा जमा लिया।

बस्सी: पूर्व आईपीएस ने पूर्व आईएएस को हराया

कांग्रेस प्रत्याशी और मौजूदा विधायक लक्ष्मण मीणा ने भाजपा के चंद्र मोहन मीणा को 5,816 वोट से हरा दिया। इस सीट पर बीजेपी ने प्रत्याशी बदलकर पूर्व आइएएस चंद्र मोहन मीणा को अपना प्रत्याशी बनाया था। वहीं 2018 के विधानसभा चुनाव में निर्दलीय विधायक बने लक्ष्मण मीणा को अपना उममीदवार बनाया है। विधानसभा में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भाजपा के बागी जितेंद्र मीणा ने 77285 वोट हासिल किए। वहीं चौथे स्थान पर पूर्व विधायक अंजू देवी धानका रही।

फुलेरा : कांग्रेस के विद्याधर चौधरी ने मारी बाजी

फुलेरा में विद्याधर चौधरी ने भाजपा के निर्मल कुमावत को शिकस्त दी है। विद्याधर चौधरी सचिन पायलट समर्थक माने जाते है। पिछली बार निर्मल कुमावत यहां से नजदीकी मुकाबले में जीते थे और तब बीजेपी से बागी होकर डीडी कुमावत चुनाव मैदान में थे। विद्याधर चौधरी के समर्थकों कहना है कि पिछली बार आरएलपी से लड़ी स्पर्धा चौधरी ने भी विद्याधर चौधरी के वोटो का बड़ा नुकसान किया था।

खुशी के आसूं

जीत तय होने के बाद भाजपा के हंसराज पटेल खुशी से रो पड़े।

गणपति की शरण में पूनिया

मतगणना से पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचे उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया।

हार देखकर पलटे कदम

हार तय होने के बाद बाबूलाल नागर मतगणना के बाद चुपचाप बाहर आए।

चुनाव में रिश्तेदारों ने रिश्तेदारों को चखाया हार का स्वाद

रिश्तों में बिछी बिसात... पति ने पत्नी तो चाचा ने भतीजी को दी शिकस्त

बेधड़क | जयपुर

इस बार विधानसभा चुनाव में एक बात दिलचस्प देखने को मिली। परिवार में मिलजुल कर रहने वाले सगे-संबंधी में चुनाव में एक-दूसरे को टक्कर देते हुए दिखाई दिए। हालांकि दोनों में जीत एक की हुई, लेकिन विधानसभा में तो उसी परिवार के लोग प्रवेश पाने में सफल रहे। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के सियासी मैदान में भतीजे और भतीजियों ने चाचा से मुकाबला किया तो कहीं पति-पत्नी, जीजा-साली, भाई-भाई और पिता-पुत्री ने भी एक दूसरे को टक्कर दी। ऐसे में रिश्तों में चुनावी बिसात बिछी नजर आई। चुनावी मैदान में अपने ही अपनों को शिकस्त देने के लिए उतावले दिखे।

दातांरामगढ़: पति-पत्नी एक ही सीट पर लड़े

सीकर जिले की दातांरामगढ़ सीट पर कांग्रेस से मौजूदा विधायक वीरेंद्र सिंह ने जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) से उनकी पत्नी डॉ. रीटा सिंह को हराया है। रीटा सिंह जेजेपी की महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी हैं। उनकी पिछले कुछ समय से अपने पति से अनबन चल रही है।

अलवर ग्रामीण: बेटी ने पिता को दी थी चुनौती

अलवर जिले की इस सीट से भाजपा से जयराम जाटव चुनावी मैदान में उतरे थे। उनकी बेटी मीना कुमारी ने निर्दलीय चुनाव लड़ा। जयराम इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। हालांकि दोनों ही बाप-बेटी को हार का सामना करना पड़ा है। इस सीट से मंत्री टीकाराम जूली ने जीत दर्ज की है।

धौलपुर: साली ने जीजा को दी शिकस्त

धौलपुर जिले की इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर शोभारानी कुशवाह ने चुनाव लड़ा। शिवचरण कुशवाह भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे। ये दोनों रिश्ते में जीजा साली लगते हैं। शोभारानी ने अपने जीजा को शिकस्त दी है। शोभारानी कुशवाहा कोंग्रेस ने जीजा शिवचरण कुशवाहा भाजपा को चुनावी मुकाबले में तीसरे नंबर पर धकेल दिया। शोभारानी ने बहुजन समाज पार्टी के रितेश शर्मा को 16789 मतों से पराजित कर जीत हासिल की है।

भादरा: चाचा ने भतीजे को हराया

चूरू जिले की इस सीट पर भाजपा से संजीव बेनीवाल ने चुनाव लड़ा। वहीं, कांग्रेस से उनके भतीजे अजीत बेनीवाल मैदान में उतरे थे। संजीव ने अपने भतीजे को कडी शिकस्त दी, वे भाजपा से दो बार विधायक रह चुके हैं।

चाचा जीते, भतीजी तीसरे नंबर पर

खेतड़ी विधानसभा से भाजपा के धर्मपाल गुर्जर ने जीत हासिल कर ली है। उन्होंने बसपा के मनोज कुमार घुमरिया को 9114 वोटों से हरा दिया। वहीं उन्होंने कांग्रेस से मनीषा गुर्जर को तीसरे स्थान पर भेज दिया। ने दोनों रिश्ते में चाचा और भतीजी लगते हैं।

ससुर-दामाद दोनों विजयी

वहीं फुलेरा से कांग्रेस के विद्याधर सिंह चौधरी जीत गए, तो उनके दामाद और भाजपा प्रत्याशी शैलेष सिंह डीग-कुम्हेर से जीत दर्ज की है।

चाचा ने भतीजी को हराया

नागौर जिले की चर्चित सीट पर मिर्धा परिवार के दो सदस्यों में मुकाबला हुआ था। पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने भाजपा से चुनाव लड़ा। वहीं, उनके चाचा हरेंद्र मिर्धा कांग्रेस से चुनावी मैदान में थे। हरेन्द्र मिर्धा ने अपनी भतीजी को शिकस्त दी। 18 राउंड तक चली काउंटिंग में चाचा हरेंद्र मिर्धा ने अपनी भतीजी व बीजेपी उम्मीदवार ज्योति मिर्धा को 13970 वोटों से मात दे दी है। ज्योति कुछ समय पहले ही भाजपा में शामिल हुई थी।

झलकियां

जमकर नाचे

उड़ाया गुलाल

फोड़े पटाखे

साफे से सम्मान

आमेर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी प्रशांत शर्मा ने जीत दर्ज की। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत आमेर में 10 वर्ष बाद कांग्रेस फिर जीती है। प्रधान कार्यालय राजावास पर कार्यकर्ताओं ने और क्षेत्र के लोगों ने शर्मा का बहुत बड़ा साफा बंधाकर अभिनंदन किया। साफा इतना बड़ा था कि तीन लोगों को इसे संभालना पड़ा।

जीत से गदगद

फोटो: राजेश कुमावत

जीत के जश्न में डूबी भाजपा, PCC में हार का सन्नाटा

6 सीटों पर कमल, हाथ में 3

बेधड़क.जयपुर। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए जयपुर की 9 विधानसभा सीटों में से 6 पर जीत दर्ज की। कांग्रेस के खाते में मात्र तीन सीटें ही आ पाईं। चुनाव परिणाम आने के साथ ही भाजपा कार्यालय में जीत का जश्न शुरू हो गया। कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लगाने शुरू कर दिए और ढोल नगाड़ों पर नाचना शुरू कर दिया। पार्टी कार्यालय में महिला कार्यकर्ताओं ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाते हुए भाजपा के जीतने की खुशी में मंगल गीत गाए। उधर, भाजपा को बढ़त मिलने के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए बनाए गए पार्टी के वार रूम में सन्नाटा छाया रहा। कांग्रेस कार्यालय में कोई कार्यकर्ता नजर नहीं आया और सभी नेता कार्यालय के अंदर बैठकर रुझानों का आकलन कर रहे।

भाजपा की दीया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा सीट से 71,368 मतों से शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के सीताराम अग्रवाल को हराया। यह इस चुनाव में राजस्थान में किसी भी उम्मीदवार द्वारा दर्ज की गई सबसे बड़ी जीत है। दीया कुमारी ने जीत का श्रेय विद्याधर नगर के निवासियों को देते हुए उनका आभार जताया। फोटो: पंकज शर्मा

कालीचरण सराफ : जताया आभार

बाल मुकुंदाचार्य: जीत की खुशी

भजनलाल शर्मा: विजय अभिनंदन

मतगणना के दौरान ऊपर-नीचे होती रही सांसें

जयपुर शहर के विधानसभा क्षेत्रों के परिणाम के दौरान जैसे-जैसे काउंटिंग होती रही राउंडवार प्रत्याशियों और समर्थकों की सांसें ऊपर-नीचे होती रहीं। किसी राउंड में बीजेपी बढ़त बनाती तो भाजपा प्रत्याशी के चेहरे पर जीत की उम्मीद की दमक दिखाई देने लगती और कांग्रेस प्रत्याशी और उसके समर्थकों में उदासी छा जाती। इसी दौरान अगले राउंड में स्थिति इसके उलट हो जाती तो महौल एकदम ही अलग हो जाता। कांग्रेस प्रत्याशी अपनी बढ़त पर उत्साहित नजर आने लग जाता और उसके चेहरे पर सामने वाले को चिढ़ाती सी मुस्कान नजर आती और भाजपा प्रत्याशी के चेहरे पर आई मुस्कान गायब हो जाती। इसके साथ ही नारे लगाते और जश्न मनाते समर्थकों में भी सन्नाटा छा जाता। यह नजारा विधानसभा की हर सीट की मतगणना के दौरान हर राउंड के बाद पूरे दिन दिखाई देता रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जीत: सीपी जोशी

बेधड़क | जयपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। उन्होंने कहा कि यह जीत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन की जीत है। जोशी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि देश के तीन हिंदी भाषी राज्यों

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली प्रचंड जीत प्रधानमंत्री मोदी की कई गारंटी का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की इन्ही गारंटी ने कांग्रेस की हवा निकाल दी। उन्होंने कहा हमारी सरकार राजस्थान के खोए हुए वैभव को लौटाने की दिशा में काम करेगी और हम पुनः राजस्थान को विकास के पथ पर लेकर जाएंगे। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजस्थान में हुई जनसभाओं में उन्हें सुनने के लिए जिस तरह जनता उमड़ रही थी, उसे देखकर ही स्पष्ट हो गया था कि बहुमत मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास होगा और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा राजस्थान की सभी 25 सीट पर जीत दर्ज करेगी। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रदेश की जनता ने सुशासन को चुना है। अब राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'डबल इंजन' की सरकार सर्वांगीण विकास के लिए काम करेगी।

भाजपा-कांग्रेस की अप्रत्याशित जीत

कई प्रत्याशियों ने चौंकाया, कई सीटों पर रोचक रहा मुकाबला

बेधड़क | जयपुर

शहर की 9 विधानसभा सीटों पर रविवार को हुई मतगणना में कई अप्रत्याशित परिणाम देखने को मिले। चुनाव से पहले और वोटिंग के बाद के रुझानों के उलट परिणाम देखने को मिले। कई प्रत्याशियों ने चौंकाने वाली जीत दर्ज की। विद्याधर नगर से भाजपा प्रत्याशी सांसद दिया कुमारी ने 71368 वोटों से जीत दर्ज की।

विद्याधर नगर में सबसे चौकाने वाली बात यह रही कि कांग्रेस के सीताराम अग्रवाल ने एक भी राउंड लीड नहीं ली। सबसे अप्रत्याशित जीत सिविल लाइन्स विधानसभा सीट से भाजपा के गोपाल शर्मा की जीत रही। टिकट वितरण से ही कांग्रेस के प्रताप सिंह खाचरियावास को लीड में माना जा रहा था, लेकिन गोपाल शर्मा ने उलटफेर करते हुए खाचरियावास को 28329 वोटों से हरा दिया।

गोपाल शर्मा करीब एक साल से सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से तैयारी कर रहे थे, लेकिन पार्टी ने अंतिम दौर में सिविल लाइंस से टिकट दे दिया। पिछले 30 सालों से यह एक ट्रेंड चल रहा है, जिसके अनुसार जो भी परिवहन मंत्री होता है वह अगला चुनाव हारता है। ऐसे सियासतकारों का मानना है कि परिवहन मंत्री का टैग लगने से खाचरियावास चुनाव हारे। हालांकि, सरकार के अंतिम समय के परिवहन मंत्री ब्रजेन्द्र ओला ने इस मिथक तोड़ते हुए चुनाव में जीत दर्ज की है।

कड़ी टक्कर में हारे पूनियां

आमेर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के प्रशांत बैरवा ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां को 9092 वोटों से मात दी। प्रशांत बैरवा को 108914 वोट और भाजपा के पूनियां को 99, 822 और 4326 वोट मिले। आमेर विधानसभा सीट को लेकर पिछले तीन चुनावों में एक प्रथा भी चल रही है कि जिस भी पार्टी की प्रत्याशी यहां से जीता, उस पार्टी की सरकार नहीं बनी। 2013 में सतीश पूनियां हारे तो भाजपा की सरकार बनी। 2018 में पूनिया जीते तो कांग्रेस की सरकार बनी। पूनियां 2023 में हारे तो भाजपा की सरकार बन रही है।

झोटवाड़ा से कर्नल से चौंकाया

झोटवाड़ा सीट पर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का विरोध हुआ था। निर्दलीय प्रत्याशी और भाजपा के बागी आशु सिंह सूरपुरा भी कर्नल राज्य वर्धन की जीत में परेशानी का कारण बन गए, लेकिन मंत्री लालचंद कटारिया के चुनाव नहीं लड़ने पर कांग्रेस के एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी को मैदान में उतारा। लोगों का यह मत था कि यदि सूरपुरा 50 हजार वोट भी लाते हैं तो अभिषेक के लिए फायेदमंद होगा, लेकिन इन सभी कयासों को गलत साबित करते हुए भाजपा के राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जीत दर्ज की।

अंतिम राउंड में जीते मुकुंदाचार्य

जयपुर शहर में हवामहल से बाल मुकुन्दाचार्य ने जीत दर्ज कर सबसे ज्यादा चौंकाया। मतगणना के दौरान 14 वें राउंड तक 10 हजार से अधिक की लीड लेने वाले जयपुर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और कांग्रेस प्रत्याशी आर आर तिवाड़ी अंतिम गणना के दौरान हार गए। अंतिम राउंड में बल मुकुन्दाचार्य ने 974 वोटों से जीत दर्ज की। बालमुकन्दाचार्य का जीतना भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीती की और इशारा कर रहा है। कांग्रेस ने हवामहल से मंत्री महेश जोशी का टिकट काट कर आर आर तिवाड़ी को दिया था।

जीत पर भावुक हुए रफीक खान

मतगणना के दौरान कांटे की टक्कर रहने वाली सीट किशन पोल में आखिर राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी अमीन कागजी ने जीत दर्ज की। कागजी ने भाजपा के चंद्र मोहन बटवारा को 7056 से मात दी। पुरे राउंड में करीब करीब भाजपा प्रत्याशी आगे रहे, लेकिन अंतिम राउंड में अमीन कागजी ने जीत दर्ज की। जीत दर्ज करने के बाद कागजी भावुक हो गए। मतगणना के दौरान अनुमान लगाया जा रहा था कि इस बार कागजी चुनाव हार सकते है और भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति सफल होगी।

झलकियां

- मतगणना के लिए ईवीएम की कंट्रोल यूनिट को कतार से स्ट्रांग से बाहर निकालकर मतगणना कक्ष तक लेकर जाते हुए मजदूर।
- राजस्थान कॉलेज में भाजपा प्रत्याशियों के जीतने पर समर्थकों ने जय श्री राम के नारें लगाए। इससे एक बारगी माहौल अलग तरह का हो गया। बाद में पुलिस ने नारें नहीं लगाने को समझाया तो समर्थक रूक गए।
- जीत के बाद गांधी सर्कल पर हवामहल से भाजपा प्रत्याशी बालमुकुंद आचार्य और एक कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थक नारे के लिए आमने-सामने हो गए। इस पर पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए इन समर्थकों को दूर दिया।

सिविल लाइंस से गोपाल शर्मा ने चौंकाया

सिविल लाईंस से भाजपा प्रत्याशी गोपाल शर्मा शुरू के दो राउंड तक पीछे चल रहे थे। बाद में धीरे-धीरे घटत-बढ़त बनाते हुए जीत गए। जीत के बाद समर्थकों के साथ उत्साही मुद्रा में फोटो खींचवाएं। बता दें कि गोपाल शर्मा की शुरू में जीत की कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन बाद में वे अचानक जीत गए तो सब चौंक गए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

राजस्थान कॉलेज में मतगणना के बीच मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता मतगणना प्रक्रिया का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने मतगणना कक्षो में मतगणना कर्मिकों और अधिकारियों से मत गणना के बारे में पूरे राउंट के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

16 प्रत्याशी 2 हजार से कम वोटों से जीते

बेधड़क, जयपुर। विधानसभा चुनाव के परिणाम में प्रदेश की 16 विधानसभा सीटों के 16 प्रत्याशियों ने 2 हजार से कम अंतर से जीत दर्ज कर अपनी साख बचाई है। इसमें सबसे कम अंतर कोटपूतली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी हंस रामज पटेल का रहा। जो 321 वोटों से विजयी हुए। इसके बाद कठूमर से भाजपा प्रत्याशी रमेश खींची 409 वोटों से, जहाजपुर से भाजपा प्रत्याशी गोपीचंद मीणा 580 वोटों से, नोहर से कांग्रेस प्रत्याशी अमित चांचण 895 वोटों से, बायतु से कांग्रेस प्रत्याशी हरीश चौधरी 910 वोटों से, हवामहल से भाजपा प्रत्याशी बालमुकुंद आचार्य 974 वोटों से, भीनमाल से कांग्रेस के समरजीत सिंह 1027 वोटों से, भादरा से भाजपा के संजीव कुमार 1132 वोटों से, नसीराबाद से भाजपा के रामस्वरूप लांबा 1135 वोटों से, बांसवाड़ा से कांग्रेस के अर्जुन सिंह बामनियां 1400 वोटों से, चोहटन से भाजपा के आदूराम मेघवाल 1428 वोटों से, आसींद से भाजपा के जब्बर सिंह सांखला 1526 वोटों से, नगर से भाजपा के जवाहर सिंह बेधम1531 वोटों से, जायल से भाजपा की मंजू वाघमार 1565 वोटों से, मावली से कांग्रेस के पुष्कर लाल डांगी 1567 वोटों से, थानागाजी से कांग्रेस के कांति प्रसाद 1939 वोटों से विजयी रही। इन सभी कम अंतर से जीत दर्ज कर विधायल की कुर्सी हासिल की है।

कम वोटों के मार्जिन में पलटती सियासत: वोट बढ़ने के बावजूद हारी कांग्रेस

2.92 प्रतिशत वोट बढ़ने से BJP के हाथ लगी सत्ता की चाबी

श्रवण भाटी | बेधड़क

■ कांग्रेस का वोट शेयरिंग 0.23 प्रतिशत बढ़ा
■ नोटा को मिली 0.96 प्रतिशत मिला वोट

जयपुर। प्रदेश के 199 विधानसभा सीटों के परिणामो में भाजपा ने 2.92 वोट प्रतिशत बढ़ाकर सत्ता की चाबी हासिल की हैं। 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 2.92 वोट प्रतिशत की बढ़ोतरी करते हुए कुल 41.69 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त हुआ। भाजपा ने इतने कम मार्जन में वोट प्रतिशत बढ़ाने के साथ 2018 की तुलना में 42 अधिक सीटों पर जीत दर्ज की हैं।

भाजपा ने 41.69 प्रतिशत वोट शेयर के साथ कुल 115 सीटों पर जीत हासिल की और 1,65,23,568 वोट हासिल किए। गौरतलब हैं कि 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को 39.30 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38.77 पर्सेंट वोट मिले थे। दोनों के बीच सिर्फ 0.53 प्रतिशत का अंतर था। 2018 के चुनावो में कांग्रेस ने 100 सीट पर जीत दर्ज की थी तो वहीं भाजपा 73 सीटों पर सिमट गई थी। 2018 में कांग्रेस को वोट 13,935,20और भाजपा को 13,757,502 मिले थे। गौरतलब हैं कि 2018 के विधानसभा चुनावो में भाजपा में 6.40 प्रतिशत के घटने से 90 सीटों के नुकसान के साथ आंकड़ा 73 सीट पर पंहुच गया था।

कांग्रेस ने 2018 से कम हासिल की 31 सीटें

प्रदेश के विधानसभा चुनावो में इस बार कांग्रेस का 2018 चुनावों के मुकाबले कांग्रेस के वोट प्रतिशत बढ़ने के बावजूद भी करारी शिकस्त हुई। इस बार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2018 के चुनावों के मुकाबले वोट प्रतिशत 0.23 बढ़ा लेकिन फिर कांग्रेस ने 31 सीटे हार गई। इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 39.53 वोट शेयर प्राप्त हुआ और 1,56,66,731 मत प्राप्त किए। गौरतलब है कि 2018 के चुनावों में कांग्रेस को 39.30 वोट प्रतिशत हासिल हुआ था। इस बार कांग्रेस के वोट प्रतिशत 0.23 प्रतिशत बढ़ने के बावजूद कांग्रेस 31 सीटे हारते हुए 69 सीटों पर सिमट गयी। गौरतलब हैं कि 2018 मे कांग्रेस का पोलिंग पर्सेंटेज 6.23 की बढ़ोतरी हुई थी वहीं भाजपा के 6.40 प्रतिशत घटा था। कांग्रेस ने 6.23 की बढ़ोतरी में 79 सीटों में बढ़ोतरी होते हुए कुल 100 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं भाजपा में 6.40 प्रतिशत के घटने से 90 सीटों के नुकसान के साथ आंकड़ा 73 सीट पर पंहुच गया था।

तीसरे मोर्चे का घटा प्रतिनिधित्व

प्रदेश के इस बार के विधानसभा चुनावों में तीसरे मोर्चे को लेकर सियासी गलियारों में अधिक हलचल थी। रुझानों से पहले ऐसा माना जा रहा था कि इस बार तीसरा मोर्चा सरकार बनाने ने अहम भूमिका निभाएगा। लेकिन परिणाम आने के बाद तीसर मोर्चा दूर दूर तक कहीं दिखाई नहीं दिया। इस बार तीसरे मोर्चे के रूप में आप, बसपा, आरएलपी, एएसपी, बीटीपी, बीएपी, सीपीआई सहित कई मोर्चो ने 200 विधानसाभ चुनावों में ताल ठोकी थी लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। परिणामो के बाद नई बनी भारत आदिवासी पार्टी ने तीन बसपा 2, आरएलपी 1, आरएलडी एक पार्टी पर सिमट गई। वहीं 8 निर्दलीय प्रत्यशियों का भाग्य चमका। गौरतलब है की 2018 विधानसभा चुनावों में निर्दलीय को 9.5, बसपा को 4, आरएलपी को 2.4, सीपीआई (एम) को 1.2 सहित अन्य दल को 2.5 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं नोटा को 1.3 प्रतिशत वोट मिला था। इस बार सभी तीसरे मोर्चे के वोट प्रतिशत घाट गया। वहीं नोटा का भी वोट प्रतिशत घाट गया।

इतना रहा वोट प्रतिशत

पार्टी	वोट प्रतिशत
भाजपा	41.69 प्रतिशत
कांग्रेस	39.53
आप	0 .38
एआइएमआइएम	0.01
बसपा	1.82
नोटा	0.96
आरएलटीपी	2.39
अन्य	11.90

फोटो: पंकज शर्मा

हवामहल से भाजपा प्रत्याशी बालमुकुन्दाचार्य की जीत के बाद जेएलएन मार्ग पर उनके कार्यकर्ता मतगणना केन्द्र के बाहर जश्न मनाते हुए।

भाजपा के 7 सांसद लड़े, 4 जीते... 3 हारे

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव में उतरे भाजपा के सात में से चार सांसद जीते जबकि तीन हार गए। वहीं, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी खींवसर विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जयपुर ग्रामीण से सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अजमेर से सांसद भागीरथ चौधरी, अलवर से सांसद बाबा बालक नाथ, राजसमंद से सांसद दीया कुमारी, झुंझुनू से सांसद नरेंद्र कुमार, जालौर से सांसद देवजी पटेल और राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा को मैदान में उतारा था। पूर्व जयपुर राजघराने की सदस्य दीया कुमारी ने विद्याधर नगर सीट पर 71,368 वोटों के भारी अंतर से जीतीं। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार सीताराम अग्रवाल को हराया।

दो बार के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक चौधरी को 50,167 वोटों के अंतर से हराकर झोटवाड़ा सीट जीती। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता राठौड़ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। तिजारा सीट पर चुनाव लड़े अलवर सांसद बाबा बालक नाथ 6,173 वोटों से जीते। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार इमरान खान को हराया। राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने भी सवाई माधोपुर सीट 22,510 के अंतर से जीती। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार दानिश अबरार को हराया, जो मुख्यमंत्री के सलाहकार थे। भाजपा के तीन सांसद चुनाव हार गए। मंडावा विधानसभा सीट पर सांसद नरेंद्र कुमार को कांग्रेस प्रत्याशी रीटा चौधरी से 18,717 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। सांसद भागीरथ चौधरी किशनगढ़ सीट पर न केवल हारे बल्कि तीसरे स्थान पर रहे। यहां कांग्रेस उम्मीदवार विकास चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और निर्दलीय उम्मीदवार सुरेश टाक को हराकर जीत हासिल की। विकास चौधरी भाजपा के बागी हैं, उन्हें टिकट नहीं दिया गया जिसके बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए और उन्हें टिकट मिल गया। इसी तरह, सांचौर में भी सांसद देवजी पटेल तीसरे स्थान पर रहे, जहां भाजपा के बागी और निर्दलीय उम्मीदवार जीवाराम चौधरी ने जीत हासिल की।

गहलोत के ओएसडी ने लगाया आरोप

यह कांग्रेस की नहीं, बल्कि अशोक गहलोत की शिकस्त है: लोकेश

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में भाजपा ने बहुमत के साथ सरकार बना ली है। ऐसे में कांग्रेस की ओर से हार का ठीकरा फोड़ने के लिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। सीएम के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए हार का ठीकरा उनके माथे पर फोड़ कर राजनीतिक गलियारों में सनसनी मचा दी है। रविवार शाम चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद उन्होंने एक्स पर लिखते हुए कहा कि इस परिणाम के बारे में उन्होंने पहले ही मुख्यमंत्री को अवगत करा दिया, लेकिन सीएम ने आलाकमान को अंधेरे में रखा। ऐसे में ये हार पार्टी की नहीं अपितु अशोक गहलोत की है। ऐसे में उनके इस आरोप के बाद कांग्रेस पार्टी में भूचान आना तय माना जा रहा है।

उन्होंने एक्स पर 25 सितम्बर की घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि...लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप है और जनादेश शिरोधार्य है, विनम्रता से स्वीकार है। मैं नतीजों से आहत जरूर हूँ, लेकिन अचंभित नहीं हूं। कांग्रेस पार्टी #Rajasthan में निःसंदेह रिवाज़ बदल सकती थी, लेकिन अशोक गहलोतजी कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि अशोक गहलोतजी की शिकस्त है। गहलोत के चेहरे पर, उनको फ्री हैंड देकर, उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा और उनके मुताबिक प्रत्येक सीट पर वे स्वयं चुनाव लड़ रहे थे। न उनका अनुभव चला, न जादू और हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली और न ही अथाह पिंक प्रचार काम आया। तीसरी बार लगातार सीएम रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिये पर लाकर खड़ा कर दिया। आज तक पार्टी से सिर्फ लिया ही लिया है लेकिन कभी अपने रहते पार्टी की सत्ता में वापसी नहीं करवा पाए गहलोत... आलाकमान के साथ फरेब, ऊपर सही फीडबैक न पहुंचने देना, किसी को विकल्प तक न बनने देना, अपरिपक्व और अपने फायदे के लिए जुड़े लोगों से घिरे रहकर आत्ममुग्धता में लगातार गलत निर्णय लिए।

मतगणना में चला उतार-चढ़ाव

काउंटिंग के दौरान समर्थकों की धड़कनें कभी बढ़ी, कभी मिली खुशी

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव में जयपुर ग्रामीण की मुख्य सीटों पर प्रत्याशियों का गणना के दौरान रौचक मुकाबला रहा। कभी भाजपा तो कभी कांग्रेस के प्रत्याशियों ने अपनी बढ़त के आगे आंख दिखाई, लेकिन ईवीएम व पोस्टल बैलेट की गिनती के आगे हकीकत सामने आ गई। प्रत्याशियों की किस्मत में जो लिखा वह मिल गया। मतगणना स्थल पर इस तरह के नजारें से देखने लायक माहौल रहा। जयपुर जिले में सबसे पहले परिणाम दोपहर 12 बजे करीब दूदू विधानसभा का आया। भाजपा प्रत्याशी डॉ. प्रेम चन्द बैरवा 116098 वोट पाकर 35497 वोट से विजयी हुए। बैरवा काउंटिंग के शुरु से ही बढ़त बनाए हुए थे। इसके बाद वे लगातार सभी 20 राउंट में आगे रहे। जैसे ही काउंट एजेंट को उनके बढ़त मिलने का एहसास हुआ। उन्होंने गणना कक्ष से बाहर जीत के नारें लगाए। कॉलेज के गार्डन में उनके प्रत्याशियों ने जय श्री राम के नारें लगाए। समर्थकों ने खुशी जाहिर की। बैरवा ने इस मौके पर कहा कि दूदू को पूर्व विधायक ने छोटा जिला बनाया है।

- जयपुर जिले में सबसे पहले परिणाम दोपहर 12 बजे करीब दूदू विधानसभा का आया। भाजपा प्रत्याशी डॉ. प्रेम चन्द बैरवा 116098 वोट पाकर 35497 वोट से विजयी हुए। बैरवा काउंटिंग के शुरु से ही बढ़त बनाए हुए थे। इसके बाद वे लगातार सभी 20 राउंट में आगे रहे। जैसे ही काउंट एजेंट को उनके बढ़त मिलने का एहसास हुआ। उन्होंने गणना कक्ष से बाहर जीत के नारें लगाए। कॉलेज के गार्डन में उनके प्रत्याशियों ने जय श्री राम के नारें लगाए। समर्थकों ने खुशी जाहिर की। बैरवा ने इस मौके पर कहा कि दूदू को पूर्व विधायक ने छोटा जिला बनाया है, उसे हम विस्तार करके बढ़ाएंगे।
- खुशी में मनीष यादव गाड़ी पर चढ़ गए शाहपुरा से कांग्रेस प्रत्याशी मनीष यादव जीत गए तो समर्थकों ने गांधी सर्कल पर उन्होंने कंधें पर बैठाकर जिंदाबाद के नारे लगाए। खुशी में मनीष यादव भी गदगद हुए तो गाड़ी पर चढ़कर सबका आभार व्यक्त किया। वहीं मतगणना में मनीष यादव शुरू से बढ़त बनाए हुए थे। उनका मुकाबला उपेन यादव से रहा। आलोक बेनीवाल ने बीच में बढ़त बनाई। लेकिन बाद में मनीष ने अंत में बाजी अपने हाथ में कर ली। वे 124702 वोट पाकर 64908 वोटों से जीतें।
- वर्मा ने शुरू से अंत तक बनाए रखी बढ़त बगरू विधानसभा सीट से भाजपा के कैलाश चंद वर्मा ने जीत दर्ज की। वे शुरू से लेकर अंतिम राउंड पर बढ़त बनाते रहे। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस से मौजूदा विधायक गंगादेवी वर्मा को शिकस्त दी। कैलाश चंद वर्मा को कुल 145170 वोट मिले। उन्होंने ये चुनाव 45250 वोटों से जीता। वहीं कांग्रेसी उम्मीदवार गंगादेवी को 99920 वोट मिले। जीत के बाद कैलाश ने अपनी जीत का श्रेय प्रदेश नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि बगरू की जनता ने आशीर्वाद दिया है। अब बगरू को सीवर लाईन सहित सड़कों के जाल से जोड़ा जाएगा।
- विराटनगर से भाजपा के कुलदीप ने मतगणना में शुरू से ही बढ़त बनाई। इसके बाद वे लगातार आगे चलते रहे। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी इंद्राज सिंह गुर्जर से उनका बीच में-बीच में कड़ा मुकाबला चला।

प्रदेश के सभी अंचलों में भाजपा का शानदार प्रदर्शन

धोरों में कमल का कमाल पूरब में हल्की पड़ी चमक

जयपुर। *राजस्थान विधानसभा के रविवार को आए परिणामों ने हर किसी को चौंकाया है। कांग्रेस की तमाम चुनाव पूर्व घोषणाओं व योजनाओं का कोई असर मतदाताओं पर देखने को नहीं मिला। पश्चिमी राजस्थान में भाजपा का प्रदर्शन शानदार रहा, शेखावाटी में कांग्रेस का गढ़ कुछ हद तक बचा वहीं पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस ने भाजपा को भरपूर टक्कर दी।*

CM के गृह जिले की 10 में से आठ सीटें हारी कांग्रेस

जोधपुर जिले की 10 में से 8 सीटें भाजपा ने जीतीं। केवल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरदारपुरा से व गीता बरवड़ भोपालगढ़ से जीती हैं। गीता बरवड़ ने आरएलपी के पुखराज गर्ग को 24 हजार से अिधक वोटों से हराया। इसके अलावा जोधपुर जिले में ओसियां से दिव्या मदेरणा सहित अन्य सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को करारी हार का सामना करना पड़ा। बाड़मेर की बात करें तो जिले की 7 में से चार सीटों गुड़ामालानी, पचपदरा, चौहटन और सिवाना पर भाजपा प्रत्याशी जीते हैं। सिवाना में कांग्रेस के कर्नल मानवेन्द्र सिंह तीसरे स्थान पर रहे। बाड़मेर में पहली बार दो सीटों पर निर्दलीयों ने जीत दर्ज की है। शिव से रविन्द्र सिंह भाटी और बाड़मेर सीट से डॉ. प्रियंका चौधरी जीते हैं। जैसलमेर जिले की दोनों सीट जैसलमेर व पोकरण पर भाजपा ने कब्जा जमाया है।

तिजारा से जीते बालक नाथ ने जीत की सूचना के बाद भगवान शिव का अभिषेक किया।

हाड़ौती ने नकारी विकास की कहानी

कोटा जिले की 6 में से चार सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमाया है। पिछली सरकार के नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल कोटा उत्तर से महज 2511 वोट से जीत पाए हैं। कोटा में विकास बड़ा मुद्दा था पर कोटा की ही दूसरी सीट कोटा दक्षिण पर भाजपा के संदीप शर्मा विजयी रहे। बूंदी की तीन में से दो सीटें भाजपा को मिली हैं। केवल हिंडौली में पूर्व मंत्री अशोक चांदना जीत पाए हैं। बारां की सभी चार सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमाया है। झालावाड़ जिले की चार में से तीन सीटें बीजेपी को मिली हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालरापाटन से जीत दर्ज की। इस जिले में केवल खानपुर से सुरेश गुर्जर जीत सके हैं।

मेवाड़ में आदिवासी फैक्टर पर भारी मोदी लहर

उदयपुर जिले की 8 में से 6 सीटें बीजेपी ने जीती हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ उदयपुर शहर से चुनाव हार गए। राजसमंद की चारों सीटें भाजपा ने जीती हैं। विधानसभाध्यक्ष सीपी जोशी भी अपनी नाथद्वारा सीट नहीं बचा पाए। चित्तौड़गढ़ जिले में हॉट सीट बनी चित्तौड़गढ़ सीट पर निर्दलीय चंद्रभान सिंह आक्या ने जीत हासिल की है। इसके अलावा शेष चारों सीटें बीजेपी की झोली में गई। आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले में पांच में से चार सीटों पर कांग्रेस को सफलता मिली है। प्रतापगढ़ जिले की दो में से एक बीजेपी व एक सीट बीएपी ने जीती। डूंगरपुर जिले की चार में से दो सीटें बीएपी ने व एक-एक कांग्रेस व बीजेपी ने जीती हैं।

शेखावाटी में गढ़ बचा, दिग्गज धराशायी

शेखावाटी को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। चुनाव में बीजेपी के उम्दा प्रदर्शन के बीच भी कांग्रेस ने सीकर की आठ में से पांच सीटें जीतकर यहां अपना प्रभाव बरकरार रखा है। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी लक्ष्मणगढ़ से जीत दर्ज की। झुंझुनू की सात में पांच सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। हालांकि पूर्व विधानसभाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह उदयपुरवाटी से नहीं जीत पाए। चूरू जिले में भाजपा छह मे से सिर्फ दो सीटें जीत पाई। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ तक अपनी सीट नहीं बचा पाए। जिले में एक सीट पर बसपा ने भी कब्जा जमाया।

ERCP से तीन जिलों में बची कांग्रेस की इज्जत

पूर्वी राजस्थान में ईआरसीपी एक बड़ा मुद्दा थी और इसका कुछ असर चुनाव परिणामों पर भी देखने को मिला है। अलवर, सवाईमाधोपुर व टोंक की 19 में से 10 सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा किया है। अलवर जिले की 11 में से छह सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की है। भाजपा को पांच सीटों पर जीत मिली है। सवाई माधोपुर की चार में से भाजपा व कांग्रेस ने दो-दो सीटों पर कब्जा किया है। टोंक जिले में भी भाजपा व कांग्रेस ने दो-दो सीटें जीती हैं। भरतपुर की सात में से पांच सीटें बीजेपी ने जीती हैं।

इस बार नहीं चला गहलोत का 'जादू'

चुनाव परिणाम के बाद रविवार शाम अशोक गहलोत ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा।

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से लगभग तीन महीने पहले हल्के फुल्के अंदाज में कहा था कि " मैं कई बार मुख्यमंत्री पद छोड़ने की सोचता हूं ... पर मुख्यमंत्री पद मुझे नहीं छोड़ रहा। अब आगे क्या होता है देखते हैं।"

गहलोत की इस टिप्पणी के अलग-अलग राजनीतिक अर्थ निकाले गए। कुछ लोगों ने इसे कांग्रेस आलाकमान के लिए संकेत तक कहा। कुछ ने सचिन पायलट के साथ उनकी तनातनी से इसे जोड़ा।यह अलग बात है कि अशोक गहलोत का मुख्यमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल उतना 'आरामदायक' नहीं रहा। साल 2020 में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने कुछ समर्थक विधायकों के साथ गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बगावत की। गहलोत ने पायलट के लिए 'निकम्मा', 'नकारा' और 'गद्दार' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। साल 2022 में गहलोत के समर्थक विधायकों ने जयपुर में बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके पार्टी आलाकमान की अवहेलना की। राजनीतिक जानकारों के अनुसार गांधी परिवार चाहता था कि गहलोत राज्य की राजनीति छोड़कर पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें। लेकिन गहलोत राजस्थान में टिके रहने में सफल रहे।

इसके बाद उन्होंने खुद को राजस्थान में कांग्रेस को दोबारा सत्ता में लाने के लिए एक तरह से झोंक दिया। प्रदेश का 'रिवाज' बदलने के लिए गहलोत ने अनेक कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। इसमें 500 रुपए में गैस सिलेंडर और सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली शामिल है।

गहलोत ने यह सुनिश्चित किया कि हर योजना से उनकी पहचान मजबूत हो। अधिकांश पर्यवेक्षकों का मानना है कि अगर कांग्रेस जीत जाती तो पार्टी को एक बार फिर गहलोत को राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में चुनने को मजबूर होना पड़ सकता था। लेकिन इस बार 'कुर्सी' ने उनका साथ छोड़ दिया।

मारवाड़ के गांधी की स्वीकार्यता पर सवाल

इस चुनाव में गहलोत की विफलता उनकी पिछली सफलताओं को धूमिल कर सकती है। इस चुनाव में वे अपने गृहजिले की आधी सीटें भी नहीं बचा पाए। उनकी सफलता का मुख्य श्रेय उनकी जनता पर पकड़ और छत्तीस कौमों में उनकी स्वीकार्यता को दिया जाता रहा है। गहलोत तीन बार मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें राजस्थान में राजनीति का जादूगर और 'मारवाड़ का गांधी' भी कहा जाता है। नहीं चलती। चुनाव परिणाम के बाद संगठन स्तर पर उनकी भूमिका क्या रहती है ये देखने वाली बात होगी।

छात्रनेता रहे युवाओं पर जनता ने जताया भरोसा

जयपुर। विश्वविद्यालय छात्रसंघों की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद प्रदेश की राजनीति में उतरे युवाओं को प्रदेश की जनता ने इस बार हाथों हाथ लिया है। प्रदेशभर में सात विधायक ऐसे चुने गए हैं जो शुद्ध रूप से छात्रसंघ राजनीति की उपज हैं और युवाओं से सीधा कनेक्शन रखते हैं। इनमें तीन पूर्व विधायक भी हैं। चार को पहली बार विधानसभा जाने का मौका मिला है।

ये छात्रनेता पहुंचे विधानसभा

रविन्द्र सिंह भाटी, शिव

भाटी इस चुनाव में एक बड़ा चेहरा बनकर उभरे। उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा और पूर्व विधायक फतेह खान को 3950 वोट से हराया।

कैलाश वर्मा, बगरू

वर्मा 2013 में विधायक रह चुके हैं। उन्होंने इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस की गंगादेवी को 45250 वोट से शिकस्त दी।

मुकेश भाकर, लाडनूं

भाकर दूसरी बार विधानसभा पहुंचे हैं। भाजपा के करणी सिंह को उन्होंने 15954 वोट से हराया।

रामनिवास गावड़िया, परबतसर

गावड़िया भी दूसरी बार विधायक बने हैं। उन्होंने भाजपा के मानसिंह किनसरिया को 10316 वोट से हराया।

ललित यादव, मुंडावर

पहली बार चुनाव मैदान में उतरे ललित यादव ने भाजपा के मंजीत चौधरी को 35624 वोट से मात दी।

अभिमन्यु पूनिया, संगरिया

अभिमन्यु भाजपा के गुरदीप सिंह को 42010 वोट से हराकर पहली बार विधायक बने।

मनीष यादव, शाहपुरा

पिछले चुनाव में हार का मुंह देख चुके मनीष ने इस बार निर्दलीय आलोक बेनीवाल को 64908 वोट के भारी अंतर से पटखनी दी।

पॉली क्लिक्स

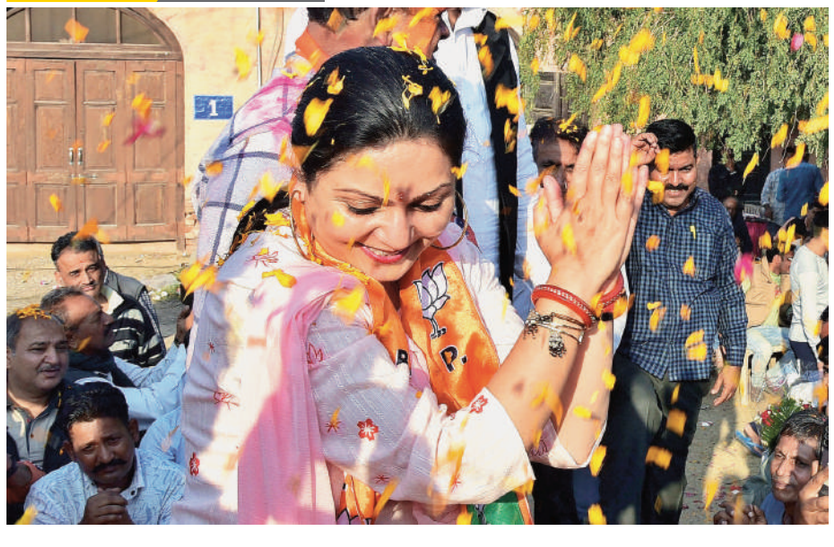

प्रदेश में रविवार को चुनावी उल्लास चरम पर था। मतगणना स्थलों पर प्रत्याशियों की जीत की घोषणा के साथ ही जोश और उत्साह का ऐसा माहौल बन रहा था कि हर कोई उसमें डूबा नजर आया। बीकानेर पूर्व से भाजपा प्रत्याशी सिद्धि कुमारी को जब चुनाव में जीत की सूचना मिली तो उन्होंने भारी उल्लास के साथ लोगों का अभिवादन कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस बार कम मतदाताओं ने चुना नोटा का विकल्प

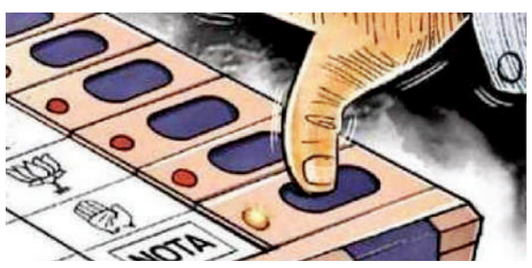

जयपुर। विधानसभा चुनावों ने मतदाताओं को अपने क्षेत्र के किसी प्रत्याशी पसंद नहीं आने पर चुनाव आयोग ने नोटा (इनमे से कोई नहीं) का भी एक आखिरी विकल्प दिया गया है। जिसमें मतदाता नोटा बटन को भी मत दे सकता हैं। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार नोटा का वोट प्रतिशत घट गया है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कुल 1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना था। वहीं इस बार नोटा विकल्प चुनने वालों की संख्या 0. 96 प्रतिशत रही है। ऐसे में पिछले चुनाव की तुलना में इस चुनाव में 0.34 प्रतिशत तक वोट प्रतिशत घट गया।

भगवा-लहर भाजपा के तीनों संतों ने चटाई विरोधियों को धूल

जनता को रास आई धर्म-राजनीति की जुगलबंदी

बेधड़क | जयपुर

भाजपा ने जब अपने प्रत्याशियों की सूचियां जारी की थीं तो इनमें भगवा रंग की भरपूर मौजूदगी देखी गई। प्रदेश की तीन सीटों पर भाजपा ने सन्यासी जीवन जी रहे संत-महंतों को चुनाव मैदान में उतारा तो इसके अलग-अलग मतलब निकाले गए।

इसको भाजपा की हिंदुत्व ध्रुवीकरण से जोड़ा गया तो इसकी आलोचना भी हुई। लेकिन भाजपा के इन तीनों संतों ने चुनाव में जीतकर इतिहास बना दिया है। पोकरण से मैदान में उतरे महंत प्रताप पुरी को इनमें सबसे बड़ी जीत मिली है वहीं हवामहल से बालमुकुंदाचार्य भी मतगणना के अंतिम चरण में 954 वोटों से अपनी सीट निकाल ले गए।

सीएम चेहरा होने का मिला फायदा

तिजारा से सांसद बालकनाथ मैदान में थे। यहां से कांग्रेस ने इमरान खान को मैदान में उतारा था। इमरान को इससे पहले बसपा से टिकट मिला था लेकिन ऐन वक्त पर कांग्रेस ने उन्हें टिकट दिया। महंत बालकनाथ ने यहां से कड़े मुकाबले में 6173 वोट से जीत हासिल की है। बालकनाथ को पिछले काफी समय से प्रदेश के भावी मुख्यमंत्री के रूप में भी देखा जा रहा है जिसका उन्हें चुनाव में फायदा मिला। मतदान के बाद आए एग्जिट पोल्स में गहलोत के बाद बालकनाथ को ही सर्वाधिक लोगों ने सीएम के लिए अपनी पसंद बताया था। बालकनाथ नाथ संप्रदाय के योगी हैं जिसका राजस्थान के साथ ही हरियाणा के भी कई इलाकों में दबदबा है। बालकनाथ के नामांकन में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी आए थे।

पिछली बार हारे थे, इस बार मंत्री को हराया

पोकरण सीट से कांग्रेस के मंत्री शालेह मोहम्मद चुनाव मैदान में थे। यहां भाजपा ने तारातारा मठ के प्रमुख प्रताप पुरी को उतारा। प्रताप पुरी 2018 में इस सीट पर हार का सामना कर चुके हैं। इस बार उन्होंने शाले मोहम्मद को 35427 वोट से शिकस्त दी। शाले मोहम्मद भी मुस्लिम धर्मगुरू हैं और उनके अनुयायी राज्यभर में फैले हैं।

अंत में काम कर गया ध्रुवीकरण

हवामहल सीट जयपुर की हॉट सीट मानी जाती है। कांग्रेस सरकार के जलदाय मंत्री महेश जोशी यहां से विधायक थे। भाजपा ने यहां से पिछले कुछ दिनों में मंदिरों को बचाने के अभियान से चर्चा में आए हाथोज धाम के बालमुकुन्दाचार्य को मैदान में उतार कर हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण का प्रयास किया। कांग्रेस की ओर से आरआर तिवाड़ी मैदान में थे। शुरूआती चरणों में पीछे चल रहे बालमुकुन्दाचार्य ने मतगणना के अंतिम चरण में 954 वोट से जीत हासिल की। बालमुकुन्दाचार्य को मिली जीत को परकोटे में हिन्दुओं की जीत माना जा रहा है।

भाजपा@115

जनादेश- 2023

क्षेत्र	विजेता	वोट मिले	मतों से जीत	पराजित	वोट मिले
1. सादुलशहर	गुरवीर सिंह	74433	15460	ओम बिश्नोई (निर्दलीय)	58973
2. गंगानगर	जयदीप बिहाणी	81001	29779	करुणा चांडक (निर्दलीय)	51222
3. करणपुर	श्रीगंगानगर जिले के करणपुर से कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण अब करणपुर विधानसभा क्षेत्र का चुनाव स्थगित हो गया।				
4. सूरतगढ़	डूंगरराम गेदर	116841	50459	रामप्रताप कसानियां (बीजेपी)	66382
5. रायसिंह नगर	सोहनलाल नायक	79586	14025	बलवीर सिंह (भाजपा)	65561
6. अनूपगढ़	शिमला देवी	102746	37881	संतोष बावरी (भाजपा)	64865
7. संगरिया	अभिमन्यू पूनियां	98341	42010	गुरदीप सिंह (भाजपा)	56331
8. हनुमानगढ़	गणेशराज बंसल	89323	9698	अमित साहू (भाजपा)	79625
9. पीलीबंगा	विनोद गोठवाल	143091	55273	धर्मेंद्र कुमार (भाजपा)	87818
10. नोहर	अमित चाचण	103623	895	अभिषेक मटोरियां (भाजपा)	102728
11. भादरा	संजीव बेनीवाल	102748	1132	बलवान पूनिया (माकपा)	101616
12. खाजूवाला	विश्वनाथ मेघवाल	91276	17374	गोविंदराम (कांग्रेस)	73902
13. बीकानेर पश्चिम	जेठानंद व्यास	98648	20194	बीडी कल्ला (कांग्रेस)	78454
14. बीकानेर पूर्व	सिद्धिकुमारी	89917	19303	यशपाल गहलोत (कांग्रेस)	70614
15. कोलायत	अंशुमान सिंह भाटी	101093	32933	भंवर सिंह भाटी (कांग्रेस)	68160
16. लूणकरणसर	सुमित गोदारा	60452	8869	डॉ. राजेन्द्र मूंड (कांग्रेस)	51583
17. डूंगरगढ़	ताराचंद सारस्वत	65690	8125	मंगलाराम गोदारा (कांग्रेस)	57565
18. नोखा	सुशीला डूडी	83215	8149	बिहारी लाल (भाजपा)	75066
19. सादुलपुर	मनोज कुमार	64368	2574	कृष्णा पूनियां (कांग्रेस)	61794
20. तारानगर	नरेंद्र बुडानिया	108236	10345	राजेन्द्र राठौड़ (भाजपा)	97891
21. सरदारशहर	अनिल शर्मा	99582	22332	राजकरण चौधरी (निर्दलीय)	77250
22. चूरू	हरलाल सहारण	99432	6874	रफिक मंडेलिया (कांग्रेस)	92558
23. रतनगढ़	पूसाराम गोदारा	109383	26663	अभिनेश महर्षि (भाजपा)	79720
24. सुजानगढ़	मनोज मेघवाल	86790	2453	संतोष मेघवाल (भाजपा)	84337
25. पिलानी	पितराम काला	72835	14845	राजेश कुमार दहिया (कांग्रेस)	57990
26. सूरजगढ़	श्रवण कुमार	115684	37414	संतोष अहलावत (भाजपा)	78270
27. झुंझुनूं	बृजेंद्र सिंह ओला	86798	28863	निशीत कुमार (भाजपा)	57935
28. मंडावा	रीटा चौधरी	98747	18717	नरेन्द्र कुमार (भाजपा)	80030
29. नवलगढ़	विक्रम जाखल	112037	23180	डॉ. राजकुमार शर्मा (कांग्रेस)	88857
30. उदयपुरवाटी	भगवानाराम सैनी	68399	416	शुभकरण चौधरी (भाजपा)	67983
31. खेतड़ी	धर्मपाल गुर्जर	70597	9114	मनोज घुमरिया (बसपा)	61483
32. फतेहपुर	हाकम अली	84194	25993	श्रवण चौधरी (भाजपा)	58201
33. लक्ष्मणगढ़	गोविंदसिंह डोटासरा	113304	18970	सुभाष मेहरिया (भाजपा)	94334
34. धोद	गोवर्धन वर्मा	85543	13378	प्रेमा राम (सीपीआई)	72165
35. सीकर	राजेंद्र पारीक	97161	30038	रतनलाल जलधारी (भाजपा)	67123
36. दांता रामगढ़	वीरेंद्र सिंह	99413	7997	गजानंद कुमावत (भाजपा)	91416
37. खंडेला	सुभाष मील	114236	42639	महादेव सिंह (कांग्रेस)	71597
38. नीम का थाना	सुरेश मोदी	105878	33090	प्रेमसिंह बाजोर (भाजपा)	72788
39. श्रीमाधोपुर	झाबर सिंह खर्रा	81080	14459	दीपेन्द्र सिंह (कांग्रेस)	66621
40. कोटपूतली	हंसराज पटेल	67716	321	राजेन्द्र यादव (कांग्रेस)	67395
41. विराटनगर	कुलदीप धनखड़	83262	17589	इंद्राज गुर्जर (कांग्रेस)	65673
42. शाहपुरा	मनीष यादव	124072	64908	आलोक बेनीवाल (निर्दलीय)	59164
43. चौमूं	शिखा मील बराला	85746	5695	रामलाल शर्मा (भाजपा)	80051
44. फुलेरा	विद्याधर चौधरी	112244	26898	निर्मल कुमावत (भाजपा)	85346
45. दूदू	प्रेमचंद बैरवा	116561	35743	बाबूलाल नागर (कांग्रेस)	80818
46. झोटवाड़ा	राज्यवर्धन राठौड़	147913	50167	अभिषेक चौधरी (कांग्रेस)	97746
47. आमेर	प्रशांत शर्मा	108914	9092	सतीश पूनियां (भाजपा)	99822
48. जमवारामगढ़	महेंद्र पाल मीणा	100041	38427	गोपाल मीणा (कांग्रेस)	61614
49. हवामहल	बालमुकुंद आचार्य	95989	974	आर.आर. तिवाड़ी (कांग्रेस)	95015
50. विद्याधर नगर	दीया कुमारी	158516	71368	सीताराम अग्रवाल (कांग्रेस)	87148
51. सिविल लाइंस	गोपाल शर्मा	98661	28329	प्रतापसिंह खाचरियावास (कांग्रेस)	70332
52. किशनपोल	अमीन कागजी	76611	7056	चन्द्र मनोहर (भाजपा)	69555
53. आदर्श नगर	रफीक खान	103421	14073	रवि नैयर (भाजपा)	89348
54. मालवीय नगर	कालीचरण सराफ	92506	35494	अर्चना शर्मा (कांग्रेस)	57012
55. सांगानेर	भजन लाल शर्मा	145162	48081	पुष्पेंद्र भारद्वाज (कांग्रेस)	97081
56. बगरू	कैलाश चंद्र वर्मा	145170	45250	गंगादेवी (कांग्रेस)	99920
57. बस्सी	लक्ष्मण मीणा	88043	6314	चन्द्रमोहन मीना (भाजपा)	81729
58. चाकसू	रामवतार बैरवा	104064	49380	वेदप्रकाश सोलंकी (कांग्रेस)	54684
59. तिजारा	बाबा बालकनाथ	110209	6173	इमरान खान (कांग्रेस)	104036
60. किशनगढ़बास	दीपचंद खेरिया	91916	10496	रामहेत सिंह यादव (भाजपा)	81420
61. मुण्डावर	ललित यादव	105735	35624	मनजीत चौधरी (भाजपा)	70111
62. बहरोड़	डॉ. जसवंत यादव	70400	17223	बलजीत यादव (कांग्रेस)	53177
63. बानसूर	देवीसिंह शेखावत	61605	7420	रोहिताश कुमार (आज़ाद समाज पार्टी)	54185
64. थानागाजी	कांति मीणा	67350		हेमसिंह (भाजपा)	65411
65. अलवर ग्रामीण	टीकाराम जूली	108584	27333	जयराम जाटव (भाजपा)	81251
66. अलवर शहर	संजय शर्मा	90504	9087	अजय अग्रवाल (कांग्रेस)	81417
67. रामगढ़	जुबेर खान	93765	19696	सुखवंत सिंह (आसपा)	74069
68. राजगढ़-लक्ष्मणगढ़	मांगे लाल मीणा	93459	22567	बन्ना राम (भाजपा)	70892
69. कठूमर	रमेश खींची	79756	409	संजना (कांग्रेस)	79347
70. कामां	नौक्षम चौधरी	78646	13906	मुख्तयार अहमद (निर्दलीय)	64740
71. नगर	जवाहर सिंह बेडम	75579	1531	वाजिब अली (कांग्रेस)	74048
72. डीग-कुम्हेर	डॉ. शैलेश सिंह	89063	7895	विश्वेन्द्र सिंह (कांग्रेस)	81168
73. भरतपुर	डॉ. सुभाष गर्ग	81878	5387	विजय बंसल (बीजेपी)	76491
74. नदबई	जगत सिंह	103795	000000	केकू केकू (कांग्रेस)	00000
75. वैर	बहादुर कोली	94056	6972	भजनलाल जाटव (कांग्रेस)	87084
76. बयाना	डॉ. ऋतु बनावत	105749	40642	अमर सिंह (कांग्रेस)	65107
77. बसेड़ी	संजय जाटव	86145	27110	सुखराम (भाजपा)	59035
78. बाड़ी	जसवन्त सिंह गुर्जर	106060	27424	गिर्राज सिंह "मलिंगा (कांग्रेस)	78636
79. धौलपुर	शोभारानी कुशवाह	69724	16789	रितेश शर्मा (बसपा)	52935
80. राजाखेड़ा	रोहित बोहरा	89120	15557	नीरजा शर्मा (भाजपा)	73563
81. टोडाभीम	घनश्याम मेहर	97389	28861	रामनिवास मीणा (भाजपा)	68528
82. हिंडोन	अनिता जाटव	91627	38276	राजकुमारी जाटव (भाजपा)	53351
83. करौली	दर्शन सिंह गुर्जर	89666	2183	लखन सिंह (कांग्रेस)	87483
84. सपोटरा	हंसराज मीणा	111385	43834	रमेश चंद मीणा (कांग्रेस)	67551
85. बांदीकुई	भागचंद टांकडा	92067	12380	गजराज खटाना (कांग्रेस)	79687
86. महवा	राजेंद्र मीणा	66376	7917	ओमप्रकाश हुड़ला (कांग्रेस)	58459
87. सिकराय	विक्रम बंशीवाल	91996	9428	ममता भूपेश (कांग्रेस)	82568
88. दौसा	मुरारी लाल मीणा	98238	31204	शंकरलाल शर्मा (भाजपा)	67034
89. लालसोट	रामबिलास मीणा	120962	47068	परसादी लाल मीणा (कांग्रेस)	73894
90. गंगापुर	रामकेश मीणा	83457	19268	मानसिंह गुर्जर (भाजपा)	64189
91. बामनवास	इंद्रा मीणा	80378	7865	राजेन्द्र (भाजपा)	72513
92. सवाई माधोपुर	किरोड़ीलाल मीणा	81087	22510	दानिश अबरार (कांग्रेस)	58577
93. खण्डार	जितेन्द्र गोठवाल	92059	14015	अशोक (कांग्रेस)	78044
94. मालपुरा	कन्हैयालाल चौधरी	85915	16189	घासीलाल (कांग्रेस)	69726
95. निवाई	रामसहाय वर्मा	92775	12941	प्रशांत बैरवा (कांग्रेस)	79834
96. टोंक	सचिन पायलट	105812	29475	अजीत सिंह मेहता (कांग्रेस)	76337
97. देवली-उनियारा	हरीश चन्द्र मीणा	105001	19175	विजय सिंह बैंसला (भाजपा)	85826
98. किशनगढ़	विकास चौधरी	83645	3620	सुरेश टाक (निर्दलीय)	80025
99. पुष्कर	सुरेशसिंह रावत	84619	13869	नसीम अखतर (कांग्रेस)	70750
100. अजमेर उत्तर	वासुदेव देवनानी	57895	4644	महेंद्र सिंह रलावता (कांग्रेस)	53251
101. अजमेर दक्षिण	अनिता भदेल	71319	4446	डॉ. द्रोपडी कोली (कांग्रेस)	66873
102. नसीराबाद	रामस्वरूप लांबा	79364	1135	शिवप्रकाश गुर्जर (कांग्रेस)	78229
103. ब्यावर	शंकर सिंह रावत	67623	8878	पारसमल जैन (पंच)(कांग्रेस)	58745
104. मसूदा	वीरेन्द्र सिंह	74266	26716	राकेश (कांग्रेस)	47550
105. केकड़ी	शत्रुघन गौतम	99671	7542	डॉ. रघुशर्मा (कांग्रेस)	92129
106. लाडनूं	मुकेश भाकर	97229	15954	करणी सिंह (भाजपा)	81275
107. डीडवाना	यूनुस खान	70952	2392	चेतन सिंह (कांग्रेस)	68560
108. जायल	डॉ मन्जू बाघमार	70468	1565	मंजू देवी (कांग्रेस)	68903
109. नागौर	हरेंद्र मिर्धा	87110	14620	ज्योति मिर्धा (भाजपा)	72490
110. खींवसर	हनुमान बेनिवाल	79492	2059	रेवत राम डागा (भाजपा)	77433
111. मेड़ता	लक्ष्मणराम मेघवाल	77493	17515	शिवरतन (कांग्रेस)	59978
112. डेगाना	अजय किलक	88752	7755	विजयपाल मिर्धा (कांग्रेस)	80997
113. मकराना	जाकिर हुसैन	96544	29314	सुमिता भींचर (भाजपा)	67230
114. परबतसर	रामनिवास	91530	10316	मानसिंह किनसरिया (भाजपा)	81214
115. नांवा	विजय सिंह	106159	23948	महेन्द्र चौधरी (कांग्रेस)	82211
116. जैतारण	अविनाश गहलोत	66277	13526	सुरेन्द्र गोयल (कांग्रेस)	52751
117. सोजत	शोभा चौहान	94852	31772	निरंजन आर्य (कांग्रेस)	63080
118. पाली	भीम राज भाटी	95092	7888	ज्ञानचन्द पारख (भाजपा)	87204
119. मारवड़ जंक्शन	केसाराम चौधरी	99604	33021	खुशवीरसिंह (कांग्रेस)	66583
120. बाली	पुष्पेन्द्र राणावत	107938	10493	बद्रीराम जाखड़ (कांग्रेस)	97445
121. सुमेरपुर	जोराराम कुमावत	104044	27382	हरिशंकर (कांग्रेस)	76662
122. फलोदी	पब्बा राम बिश्नोई	80243	10784	प्रकाश चन्द्र छंगाणी (कांग्रेस)	69459
123. लोहावट	गजेन्द्र सिंह	81415	10549	किसना राम विश्नोई (कांग्रेस)	70866
124. शेरगढ़	बाबूसिंह राठौड़	102868	25044	मीना कंवर (कांग्रेस)	77824
125. ओसियां	भैरा राम चौधरी	103746	2807	दिव्या मदेरणा (कांग्रेस)	100939
126. भोपालगढ़	गीता बरवार	86224	24298	पुखराज गर्ग (RLP)	61926
127. सरदारपुरा	अशोक गहलोत	96859	26396	डॉ. महेन्द्र राठौड़ (भाजपा)	70463
128. जोधपुर	अतुल भंसाली	71192	13525	मनीषा पंवार (कांग्रेस)	57667
129. सूरसागर	देवेन्द्र जोशी	117065	38759	शहजाद अय्यूब खान (कांग्रेस)	78306
130. लूणी	जोगाराम पटेल	123498	24678	महेन्द्र बिश्नोई (कांग्रेस)	98820
131. बिलाड़ा	अर्जुन लाल	90766	10424	मोहनलाल कटारिया (कांग्रेस)	80342
132. जैसलमेर	छोटूसिंह	104636	18687	रूपाराम (कांग्रेस)	85949
133. पोकरण	प्रताप पुरी	112925	35427	शाले मोहम्मद (कांग्रेस)	77498
134. शिव	रविन्द्र सिंह भाटी	79495	3950	फतेह खां (निर्दलीय)	75545
135. बाड़मेर	प्रियंका चौधरी	106948	13337	मेवाराम जैन (कांग्रेस)	93611
136. बायतू	हरीश चौधरी	76821	910	उम्मेदा राम बेनीवाल (आरएलपी)	75911
137. पचपदरा	अरूण चौधरी	77997	2529	मदन प्रजापत (कांग्रेस)	75468
138. सिवाना	हमीर सिंह भायल	62875	11807	सुनील परिहार (निर्दलीय)	51068
139. गुड़ा मालानी	केके बिश्नोई	107632	15217	कर्नल सोनाराम चौधरी (कांग्रेस)	92415
140. चोहटन	आदू राम मेघवाल	103205	1428	पदमाराम (कांग्रेस)	101777
141. आहोर	छगनसिंह राजपुरोहित	83259	11215	सरोज चौधरी (कांग्रेस)	72044
142. जालोर	जोगेश्वर गर्ग	84519	19536	रमीला मेघवाल (कांग्रेस)	64983
143. भीनमाल	समरजीत सिंह	97157	1027	पूरा राम (भाजपा)	96130
144. सांचोर	जीवाराम चौधरी	95518	4671	सुखराम विश्नोई (कांग्रेस)	90847
145. रानीवाड़ा	रतन देवासी	112681	22362	नारायण सिंह देवल (भाजपा)	90319
146. सिरोही	ओटाराम देवासी	114729	35805	संयम लोढ़ा (कांग्रेस)	78924
147. पिंडवाड़ा (आबू)	समाराम गरासिया	70647	13094	लीलाराम गरासिया (कांग्रेस)	57553
148. रेवदर	मोतीराम	93120	3564	जगसी राम (भाजपा)	89556
149. गोगून्दा	प्रताप लाल	87827	3665	मांगीलाल गरासिया (कांग्रेस)	84162
150. झाडोल	बाबूलाल खराड़ी	76537	6488	हीरालाल दरांगी (कांग्रेस)	70049
151. खेरवाड़ा	दयाराम परमार	77342	17244	नाना लाल अहारी (भाजपा)	60098
152. उदयपुर ग्रामीण	फूल सिंह मीणा	103039	27345	डॉ० विवेक कटारा (कांग्रेस)	75694
153. उदयपुर	ताराचन्द जैन	97466	32771	प्रो. गौरव वल्लभ (कांग्रेस)	64695
154. मावली	पुष्करलाल डांगी	77696	1567	कृष्णगोपाल (भाजपा)	76129
155. वल्लभनगर	उदयलाल डांगी	83227	20060	प्रीति गजेन्द्र सिंह (कांग्रेस)	63167
156. सलूम्बर	अमृतलाल मीणा	80086	14691	रघुवीर सिंह मीणा (कांग्रेस)	65395
157. धरियावद	धावरचंद डामोर	83655	6691	कन्हैयालाल (कांग्रेस)	76964
158. डूंगरपुर	गणेश घोघरा	69338	19053	कांतिलाल रोत (BAP)	50285
159. आसपुर	उमेश मीणा	93742	28940	गोपीचन्द (भाजपा)	64802
160. सागवाड़ा	शंकरलाल डेचा	75175	11999	मोहनलाल रोत (BAP)	63176
161. चौरासी	राजकुमार रोत	111150	69166	सुशील कटारा (भाजपा)	41984
162. घाटोल	नानालाल निनामा	88335	3691	अशोक कुमार (BAP)	84644
163. गढ़ी	कैलाशचंद्र मीणा	87392	15107	शंकरलाल चरपोटा (कांग्रेस)	72285
164. बांसवाड़ा	अर्जुनसिंह बामणीया	93017	1400	धनसिंह रावत (भाजपा)	91617
165. बागीदोरा	महेंद्र मालवीय	101742	41355	जयकृष्ण पटेल (BAP)	60387
166. कुशलगढ़	रमीला खड़ीया	97480	9804	भीमा भाई (भाजपा)	87676
167. कपासन	अर्जुनलाल जीनगर	84778	21344	शंकर बैरवा (कांग्रेस)	63434
168. बेंगू	सुरेश धाकड़	136714	50661	राजेंद्र गुर्जर बिधूड़ी (कांग्रेस)	86053
169. चित्तौड़गढ़	चन्द्रभान सिंह	98446	6823	सुरेन्द्र सिंह (कांग्रेस)	91623
170. निम्बाहेड़ा	श्रीचंद कृपलानी	116640	3845	उदयलाल आंजना (कांग्रेस)	112795
171. बड़ी सादड़ी	गौतम सिंह दक	103940	11832	बद्री लाल जाट (कांग्रेस)	92108
172. प्रतापगढ़	हेमंत मीणा	87644	25109	रामलाल मीणा (कांग्रेस)	62535
173. भीम	हरिसिंह रावत	93905	31768	सुदर्शन सिंह रावत (कांग्रेस)	62137
174. कुम्भलगढ़	सुरेन्द्र कु. राठौड़	78133	22060	योगेन्द्र सिंह परमार (कांग्रेस)	56073
175. राजसमन्द	दीप्ति माहेश्वरी	94043	31962	नारायण सिंह भाटी (कांग्रेस)	62081
176. नाथद्वारा	कुंवर विश्वराज	94950	7504	सीपी जोशी (कांग्रेस)	87446
177. आसीन्द	जब्बर सिंह सांखला	74586	1526	हगामीलाल मेवाड़ा (कांग्रेस)	73060
178. माण्डल	उदयलाल भडाणा	126291	35878	रामलाल जाट (कांग्रेस)	90413
179. सहाड़ा	लादूलाल	117203	62519	राजेन्द्र त्रिवेदी (कांग्रेस)	54684
180. भीलवाड़ा	अशोक कोठारी	70095	10778	ओम प्रकाश नारानिवाल (कांग्रेस)	59317
181. शाहपुरा	लालाराम बैरवा	100135	59298	नरेंद्र कुमार रेगर (कांग्रेस)	40837
182. जहाजपुर	गोपीचंद मीना	96933	580	धीरज गुर्जर (कांग्रेस)	96353
183. माण्डलगढ़	गोपाल लाल शर्मा	93119	8194	विवेक धाकड़ (कांग्रेस)	84925
184. हिण्डोली	अशोक चांदना	127354	45004	प्रभूलाल सैनी (भाजपा)	82350
185. केशोरायपाटन	सीएल प्रेमी बैरवा	101541	17087	चन्द्रकांता मेघवाल (भाजपा)	84454
186. बूंदी	हरिमोहन शर्मा	100107	18814	अशोक डोगरा (भाजपा)	00000
187. पीपल्दा	चेतन पटेल	89281	21005	प्रेमचंद गोचर (भाजपा)	68276
188. सांगोद	हीरालाल नागर	93435	25586	भानु प्रताप सिंह (कांग्रेस)	67849
189. कोटा उत्तर	शांति धारीवाल	94899	2486	प्रहलाद गुंजल (भाजपा)	92413
190. कोटा दक्षिण	संदीप शर्मा	95393	11962	केकू केकू (कांग्रेस)	83431
191. लाडपुरा	कल्पना देवी	121248	25522	नईमुद्दीन गुड्डू (कांग्रेस)	95726
192. रामगंज मण्डी	मदन दिलावर	103504	18422	महेंद्र राजोरिया (कांग्रेस)	85082
193. अंता	कंवर लाल मीणा	87390	5861	प्रमोद जैन (कांग्रेस)	81529
194. किशनगंज	ललित मीणा	101857	22281	निर्मला (कांग्रेस)	79576
195. बारां-अटरू	राधेश्याम बैरवा	101530	19754	पानाचंद मेघवाल (कांग्रेस)	81776
196. छबड़ा	प्रताप सिंह सिंघवी	65000	5108	करण सिंह (कांग्रेस)	59892
197. डग	कालूराम मेघवाल	99251	22261	चेतराज (कांग्रेस)	76990
198. झालरापाटन	केकू केकू	138831	53193	रामलाल (कांग्रेस)	85638
199. खानपुर	सुरेश गुर्जर	101045	8425	नरेन्द्र नागर (भाजपा)	92620
200. मनोहर थाना	गोविंद प्रसाद	85304	24865	कैलाश चंद (निर्दलीय)	60439

विधायक बने सांसदों को चुनना होगा 14 दिन में विकल्प

राजेंद्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

दीया कुमारी, विद्याधर नगर

राज्यवर्धन सिंह राठौड़, झोटवाड़ा

> संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव पी. डी. टी. आचारी के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 101 के तहत 1950 में राष्ट्रपति द्वारा जारी 'एक साथ दो सदनों की सदस्यता का प्रतिषेध संबंधी नियम' है, जिसके तहत यदि विधानसभा चुनाव में जीतने वाले सांसद वे ऐसा नहीं करते हैं, तो 14 दिन की अवधि समाप्त होने पर वे संसद की सदस्यता खो देंगे।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, सवाईमाधोपुर

बाबा बालकनाथ, तिजारा

राजस्थान सहित रविवार को जिन राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम आए, जिनमें सीटिंग सांसदों (राज्यसभा और लोकसभा) ने विधायकी में जीत हासिल की। अब उनको यह फैसला करना है कि उन्हें कहां रहना है, विधानसभा में या संसद में। राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी ने सात और मध्यप्रदेश में 21 सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया। उनमें राजस्थान से बाबा बालकनाथ ने तिजारा, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने झोटवाड़ा, दीया कुमारी ने विद्याधर नगर और डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सवाई माधोपुर से जीत हासिल की, जबकि तीन सांसद विधानसभा चुनाव में खेत रहे, जिनमें देवजी पटेल (जालोर-सिरोही), भागीरथ चौधरी (अजमेर) और नरेंद्र कुमार (झुंझुनूं) शामिल हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में कई केंद्रीय मंत्रियों समेत 21 सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा। वहीं, इस पार्टी ने छत्तीसगढ़ में चार और तेलंगाना में तीन सांसदों को विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया। इनमें प्रमुख नाम दिमनी से नरेंद्र सिंह तोमर, नरसिंहपुर से प्रहलाद सिंह पटेल, जबलपुर पश्चिम से बीजेपी सांसद राकेश सिंह, सीधी से रीति पाठक, निवास से फग्गन सिंह कुलस्ते, सतना से चार बाद के सांसद गणेश सिंह आदि को प्रत्याशी बनाया।

जानकार संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए बताते हैं कि राज्यों के विधानसभा चुनाव लड़ने और जीतने वाले सांसदों को अगले 14 दिन में विधानसभा और संसद सदस्यता में से एक का चयन करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते तो उनकी सांसदी जा सकती है। संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव पी. डी. टी. आचारी बताते हैं कि संविधान के अनुच्छेद 101 के तहत 1950 में राष्ट्रपति द्वारा जारी 'एक साथ दो सदनों की सदस्यता का प्रतिषेध संबंधी नियम' है, जिसके तहत यदि विधानसभा चुनाव में जीतने वाले सांसद वे ऐसा नहीं करते हैं, तो 14 दिन की अवधि समाप्त होने पर वे संसद की सदस्यता खो देंगे। इस नियम के अनुसार ऐसे संसद की सदस्यता खोने वाले सांसद राज्य विधानसभा के सदस्य बने रह सकते हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में हुए विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को परिणाम और जीत-हार लगभग तय करने वाली लीडिंग पोजिशन क्लीयर हो चुकी है, जबकि मिजोरम में सोमवार को मतगणना होगी। जाहिर है, जो सांसद इन विधानसभा चुनाव में पार्टी हाईकमान के आदेश पर चुनाव लड़े, उनको अब निर्णय लेना होगा कि उन्हें कहां रहना है। सियासी गलियारों में यह चर्चा छिड़ भी चुकी है। साथ ही, यह माना जा रहा है कि पार्टी ही इन सांसदों के भविष्य के संबंध में निर्णय ले सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम

हिंदुत्व कार्ड से लोहा नहीं ले पाई कांग्रेस

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

> साफ है विपक्ष का जातीय जनगणना का नया सियासी हथियार फिलहाल भाजपा के हिंदुत्व कार्ड की काट बनता नजर नहीं आ रहा है। वहीं, भाजपा ने चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जिस तरह पीएम मोदी की धुआंधार जनसभाएं कराई, वह भी प्रतिद्वंद्वी खेमों पर भारी पड़ी। पीएम मोदी ने अपनी रैलियों के माध्यम से संबंधित राज्य के विभिन्न अंचलों को छुआ तो चुनावी मुकाबला मोदी बनाम संबंधित राज्य के सीएम का हो गया।

लोकसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल कहे जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित तीन राज्यों में भाजपा ने मुकाबला जीत लिया है। कांग्रेस के लिए तेलंगाना में जीत सांत्वना ही कही जाएगी, क्योंकि पार्टी को दो राज्यों छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्ता गंवानी पड़ी है और मध्य प्रदेश में वह पिछली बार जीत हुई बाजी भाजपा के हाथों हारने का बदला भी नहीं ले पाई है। लोक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के बावजूद मिली हार पार्टी के लिए चिंतन का खास विषय है। एक अन्य चुनावी राज्य मिजोरम में चुनाव परिणाम सोमवार को आएंगे। वहां मिजो नेशनल फ्रंट को सत्ता का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

भाजपा ने 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा की 22 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इसलिए इस बात की संभावना बहुत कम हैं कि ऐसा कोई चमत्कार हो जाएगा कि भाजपा वहां स्पष्ट बहुमत हासिल कर सत्ता में आ जाएगी। वर्षों तक मिजोरम में सत्ता में रही कांग्रेस सरकार बनाने की उम्मीद लगाए बैठी है। भाजपा चुनाव वाले पांचों राज्यों में बिना सीएम फेस के चुनाव मैदान में उतरी थी। जनता के सामने एक ही चेहरा था पीएम नरेंद्र मोदी का। भाजपा ने चुनाव को रणनीतिक रूप से पीएम मोदी बनाम कांग्रेस के रूप में बदल दिया था। कांग्रेस ने भाजपा के हिंदुत्व कार्ड को भोंथरा करने के लिए जातीय जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठाया और जिसकी जितनी आबादी उसका उतना हक का नारा बुलंद किया।

इस बीच बिहार की नीतीश सरकार ने जातीय सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण का दायरा बढ़ाने का फैसला कर इस मुद्दे को और प्रबल करने का प्रयास किया, लेकिन लगता है यह भाजपा के हिंदुत्व कार्ड की धार का भोंथरा नहीं कर पाया और न ही सामाजिक ध्रुवीकरण की शुरुआत कर पाया है। हालांकि, नीतीश की नजर आगामी लोकसभा चुनावों पर है, लेकिन फिलहाल यह नीति भाजपा की सामाजिक व्यूह रचना को भेदने में नाकाम रही हैं। राजस्थान जैसे राज्य में महिलाओं के बढ़े हुए वोटों ने किस पार्टी का पलड़ा भारी किया, यह देखना भी दिलचस्प होगा। साफ है विपक्ष का जातीय जनगणना का नया सियासी हथियार फिलहाल भाजपा के हिंदुत्व कार्ड की काट बनता नजर नहीं आ रहा है। वहीं, भाजपा ने चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जिस तरह पीएम मोदी की धुआंधार जनसभाएं कराई, वह भी प्रतिद्वंद्वी खेमों पर भारी पड़ी। पीएम मोदी ने अपनी रैलियों के माध्यम से संबंधित राज्य के विभिन्न अंचलों को छुआ तो चुनावी मुकाबला मोदी बनाम संबंधित राज्य के सीएम का हो गया।

पीएम मोदी की छवि सब पर भारी पड़ी। प्रचार के अंतिम चरण में भाजपा ने चुनावी राज्य में पूरी ताकत झोंक दी। आप एक हॉकी मैच की कल्पना कीजिए, जिसमें बराबरी पर चल रहे मैच में पासा पलटने के लिए कोई टीम रणनीतक रूप से प्रतिद्वंद्वी टीम के गोल क्षेत्र में दबाव बढ़ा देती है और पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर मुकाबला जीत लेती है। पीएम मोदी ने चुनाव के अंतिम चरण में वैसा ही कुछ अपनी पार्टी के लिए किया। उन्होंने योजनाबद्ध रूप से प्रतिद्वंद्वी टीम पर रणनीतिक हमले किए और उनकी रक्षा पंक्ति को भेद दिया। छत्तीसगढ़ में जहां कांग्रेस की मजबूत सरकार थी और कांग्रेस जीत के प्रति आश्वस्त नजर आ रही थी, पीएम मोदी और भाजपा की टीम ने महादेव एप से संबंधित भ्रष्टाचार और आदिवासियों के धर्मांतरण के मुद्दे को उठाकर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया।

मध्य प्रदेश में लगता है 'लाडली बहना योजना' ने भाई की चुनावी नैया को सहजता से पार करा दिया। पार्टी टिकटों के बंटवारे को लेकर असंतोष का शमन करने में सफल रही। लगता है चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कुछ नेताओं के बीच हुई जुबानी जंग भी कांग्रेस के लिए भारी पड़ गई, लेकिन तेलंगाना में भाजपा की रणनीति नाकाम रही है। पार्टी ने लोकसभा चुनावों में चार सीटें जीतकर जो उम्मीद जगाई थी, उस पर वह खरी नहीं उतर पाई। भाजपा ने वहां धर्म आधारित आरक्षण को समाप्त करने और अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्ति को सीएम बनाने का बड़ा सियासी दांव चला था, लेकिन लगता है वह लोगों के दिलों में नहीं उतर पाया। पार्टी ने हैदराबाद में कार्यसमिति की बैठक कर अपनी चुनावी रणनीति का आगाज किया था और चुनाव से पहले पार्टी नेतृत्व में बदलाव भी किया था, लेकिन वह जीत के रंग नहीं भर पाया। यहां पर कांग्रेस की जीत निवर्तमान मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की राजनीति महात्वाकांक्षा के लिए बड़ा चुनावी झटका है। केसीआर ने अपनी पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति रख राष्ट्रीय राजनीतिक में आने की अपनी महत्वाकांक्षा का संकेत विधानसभा चुनाव से काफी पहले ही दे दिया था। उन्होंने गैर भाजपा व गैर कांग्रेस पार्टियों का गठबंधन करने का प्रयास भी किया, लेकिन सफल नहीं हो पाए। कांग्रेस की गारंटियों ने उनकी महत्वाकांक्षाओं पर पानी फेर दिया। साफ है तेलंगाना के अलावा राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में कांग्रेस की हार ने लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा को मजबूत स्थिति में ला दिया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

'वोट गणित'

अर्चना त्यागी
व्यंग्यकार

मंत्रीजी का नया पी ए नियुक्त हुआ तो अंदर ही अंदर काफी खुश थे। एक होनहार, पढ़ा लिखा, काबिल नौजवान उनका पी ए रहेगा तो सब परेशानियां ख़त्म। रही बात राजनीति की, वह तो उनके खून में है। पी ए साहेब को भी सीखा देंगे। मंत्रीजी ने पी ए को बुलाया और कहा," हम जानते हैं तुमने बहुत पढ़े लिखे हो, व्यवहारकुशल भी हो, सब संभाल लोगे लेकिन एक बात याद रहे, राजनीति बच्चों का खेल नहीं है। इसलिए कभी भी कोई शंका हो तो हमसे बात करके ही कोई कदम उठाना।"

पीए अपने काम में चतुर होने के साथ साथ आज्ञाकारी भी बहुत थे। उन्होंने मंत्रीजी की बात को गांठ से बांध लिया। नौकरी का उसूल उन्हें पता था। ," बॉस इज आलवेज राइट।" चुनाव पास आ रहे थे। मंत्रीजी की जनसभाएं चल रही थी। आज़ यहां तो कल वहां। बहुत व्यस्तता थी। विभिन्न धर्मों के अनुयायी भी अपने अपने धर्म की सभा में मंत्रीजी को बुलाने के लिए संपर्क कर रहे थे। मंत्रीजी ने एक धर्मसभा में शामिल होने के लिए हां कह दी। बाकि सभी को पी ए साहेब ने कोई न कोई बहाना बनाकर टाल दिया। परंतु यह बात उन्हे कुछ ठीक नहीं लगी।

मंत्रीजी के निर्देश के अनुसार उन्होंने अपनी शंका उन्हें बताई। मंत्री जी ने मूछों को ताव देते हुए उत्तर दिया।,"सुजीत हमारा राजनीतिक धर्म, वोट गणित है। जिस धर्म विशेष से वोट मिले उसी के साथ उठना बैठना चाहिए।" सुजीत पहली बार यह जान समझ रहे थे कि बाकि सब एक तरफ, वोट बैंक एक तरफ। मंत्रीजी के सामने वो चुप ही रहे, बोले कुछ नहीं। मंत्रीजी ने एक और आश्चर्य जनक खुलासा किया ," राजनीति और आदर्श एक दूसरे के विरोधी शब्द हैं। राजनीति उसी धर्म को मानती है जो कुर्सी पर बिठा सकता है। बाकि सब मिथ्या आचरण है।" चुनाव के नतीजे आने वाले थे। पी ए साहेब हर खबर पर पैनी निगाह जमाए हुए थे। परिणाम विश्लेषण से पहले ही उन्होंने पता लगा लिया था कि कौन जीतेगा? उन्होंने मंत्रीजी से संपर्क किया।," सर, वोट गणित बिगड़ गया है।" मंत्रीजी पूरे आत्मविश्वास से बोले ," आपके सामने यह पहला चुनाव है, धैर्य रखिए हमारा गणित कभी नहीं बिगड़ेगा।" पीए साहेब ने धीमे स्वर में अपनी बात रखी," मैं सही कह रहा हूं सर, मैंने एक एक वोटर से बात की है।" मंत्रीजी के चेहरे पर अब भी अविश्वास के भाव थे।

पीए के पास आकर बोले ," क्या कह रहे हैं वोटर ?" पी ए ने सिर झुकाकर जवाब दिया ," सर, उन्होंने इस बार आपको वोट नहीं दिया है। उनका मानना है जो अपने धर्म का नहीं हो सका वो उनके धर्म का कैसे हो पाएगा ?" मंत्री जी आवक थे। पी ए को उन्होंने वोट गणित समझाया था लेकिन उसने उन्हें जीवन गणित समझा दिया था। मंत्रीजी सिर पकड़ कर बैठे थे और पी ए साहेब आश्वस्त थे कि अब उन्हें कोई दूसरी नौकरी ढूंढनी ही है।

नॉलेज कॉर्नर: समुद्र के बीच एक प्लेटफॉर्म पर बसा है सीलैंड

इस देश में रहते हैं 50 से भी कम लोग!

भारत में जहां जॉइंट फैमिली में लोग रहते हैं तो वहां एक ही घर में 25-30 लोग रहते हैं। हो सकता है कि जब आपका पूरा परिवार एक जगह होता हो तो घरवालों की संख्या 30 से ऊपर चली होगी। लेकिन, दुनिया में एक देश ऐसा भी है, जहां की कुल जनसंख्या ही 30 से कम है। जी हां, इस देश में कुल जनसंख्या 30 लोगों से भी कम है और खास बात ये है कि अगर आप इस देश को देखना चाहते हैं तो यहां जाने के लिए आपको वीजा की जरुरत पड़ेगी और वीजा लेने के बाद ही आप इस देश में जा सकते हैं। तो हम आपको बताते हैं कि आखिर हम किस देश की बात कर रहे हैं और इस देश की क्या कहानी है, आज के नॉलेज कॉर्नर में...

इंग्लैंड के तट से कुछ ही दूर

इस देश का नाम है सीलैंड, जो नॉर्थ सी में है। ये ये इंग्लैंड के सफोल्क के तट से करीब 6.5 मील दूर है। ये देश समुद्र के बीच एक ऐसे प्लेटफॉर्म पर बना है, जिसे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मन हमलावरों से तट की रक्षा के लिए 1942 में बनाया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 1967 में पूर्व ब्रिटिश सेना प्रमुख रॉय बेट्स ने सीलैंड को खरीदा और इसे एक अलग देश घोषित कर दिया। उन्होंने अपना

नाम सीलैंड का प्रिंस रॉय रखा और अपने पासपोर्ट और टिकटें जारी कीं। हालांकि, यूके सीलैंड को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देता है और कई अन्य देश भी इसे देश नहीं मानते हैं।

झंडा, करेंसी और सरकार

इस देश का झंडा, करेंसी और सरकार है। यहां तक कि कई ग्रुप सीलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं। अब ये जगह टूरिस्ट प्लेस बन गई है और रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां जाने के लिए वीजा की जरुरत होती है यानी पहले परमिशन लेनी होती है। सीलैंड के सरकारी वेबसाइट के अनुसार, वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति और अन्य मुद्दों के कारण अक्सर सीलैंड की रियासत की यात्रा की अनुमति नहीं दी जाती है। यदि आप सीलैंड की यात्रा करना भी चाहते हैं तो वहां वास्तव में ज्यादा कुछ नहीं है। रहने के विकल्प या खाने के विकल्प के तौर पर ठीक से एक टन समान भी मौजूद नहीं हैं। अभी माना जाता है कि यहां 50 से भी कम लोग रहते हैं। अगर इसके फ्यूचर की बात करें तो सीलैंड का भविष्य अनिश्चित है।

ऐसा है पैसे का स्रोत

सीलैंड, समुद्र के बीच मात्र 250 मीटर में फैला है, ऐसे में यहां के लोगों के पास आजीविका का कोई संसाधन मौजूद नही है। इसके बाद सीलैंड से जुड़ी खबरें इंटरनेट पर जब वायरल हुईं, दुनिया के लोगों को इसके बारे में जानकारी मिली, तो खूब डोनेशन मिलने लगे। लोग भी यहां घूमने जाते हैं, जिससे इन्हें अब इनकम भी होने लगा है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा @BJP4India में है

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
राजस्थान की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह सभी के लिए एक अप्रत्याशित परिणाम है। यह हार दिखाती है कि हम अपनी योजनाओं, कानूनों और नवाचारों को जनता तक पहुंचाने में पूरी तरह कामयाब नहीं रहे।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
केवल अपनी असफलताओं से न सीखें; असफल न होना सीखें. आप जो कुछ भी चाहते हैं, उसे कैसे पूरा किया जाए, इसका पता लगाएं। जीवन आपका कर्म है - यह आपका निर्माण है।

चुनाव परिणाम: एमपी में भाजपा ने रचा नया इतिहास, पड़ोसी राज्य में की वापसी

भगवा रंग में रंगे मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़

एजेंसी भोपाल। *विधानसभा चुनाव वाले पांच राज्यों में चार राज्यों में रविवार को मतों की गणना हुई। इनमें से राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर इतिहास रच दिया। मध्य प्रदेश में भाजपा ने अपनी सत्ता बरकरार रखी हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में पार्टी ने पांच साल बाद फिर सत्ता में वापसी कर ली है। हिंदीभाषी क्षेत्र के तीन प्रमुख राज्यों में हार के बीच तेलंगाना में जीत कांग्रेस के लिए राहत लेकर आई। कांग्रेस ने दक्षिण भारत के इस राज्य में छह 'गारंटी', राज्य के गठन में कांग्रेस एवं सोनिया गांधी के योगदान तथा 'प्रजाला तेलंगाना' (जनता का तेलंगाना) बनाने का वादा किया था। इनके जरिये वह जनता का समर्थन हासिल करने में सफल रही। वर्ष 2014 में तेलंगाना के अलग प्रदेश बनने के बाद राज्य में पहली बार कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। पिछले 10 वर्षों से प्रदेश में भारत राष्ट्र समिति की सरकार थी।*

मध्य प्रदेश: भाजपा को मिला दो तिहाई बहुमत

गृह मंत्री व कई दिग्गज नेता चुनाव हारे

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को दो तिहाई से अधिक बहुमत मिल गया है। प्रदेश की 230 विधानसभा सीट में से भाजपा के उम्मीदवार 162 सीट जीत चुके हैं जबकि एक सीट पर आगे चल रही है। वहीं, कांग्रेस ने अब तक 65 सीट पर जीत दर्ज की है और वह एक सीट पर आगे चल रही है। भारत आदिवासी पार्टी ने भी प्रदेश में पहली बार जीत दर्ज कर एक सीट अपने कब्जे में कर ली है। इन तीन दलों के अलावा, कोई भी अन्य दल अपना खाता नहीं खोल सका है। राज्य के गृह मंत्री नरोतम मिश्र समेत 10 मंत्री चुनाव हार गए हैं।

कमलनाथ जीते छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने प्रदेश की छिंदवाड़ा सीट से भाजपा के विवेक बंटी साहू को 36,594 मतों से हरा दिया। वह इस सीट से लगातार दूसरी बार विधायक बने हैं।

भारत आदिवासी पार्टी ने पहली जीत दर्ज की: भारत आदिवासी पार्टी ने रतलाम जिले की सैलाना सीट जीतकर मध्य प्रदेश में अपनी पहली जीत दर्ज की। पार्टी के कमलेश्वर डोडियार ने सैलाना क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार हर्ष विजय गहलोत को 4,618 मतों के अंतर से हराया। है।

चुनाव परिणाम एक नजर में

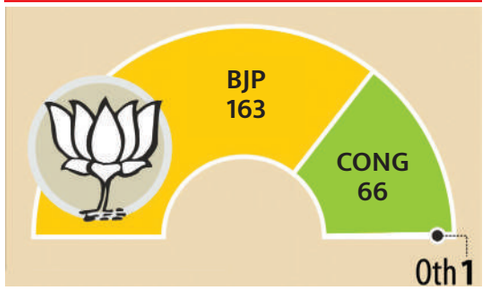

ये दिग्गज जीते चुनाव

कैलाश विजयवर्गीय (इंदौर-1), केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर (दिमनी), प्रहलाद पटेल (नरसिंहपुर), लोकसभा सांसद राकेश सिंह (जबलपुर पश्चिम), लोकसभा सांसद उदय प्रताप सिंह (गाडरवारा) से चुनाव जीत चुके हैं।

ये दिग्गज हारे

- केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते (निवास) चुनाव हार गए हैं।
- प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल हरदा सीट से कांग्रेस के रामकिशोर डोगने से पराजित।
- बमोरी से भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सिसोदिया हार चुके हैं। वे शिवराज सरकार में मंत्री थे। यहां ऋषि अग्रवाल से चुनौती थी।
- दतिया से गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा 6179 मतों से पराजित।

सीएम चौहान छठी बार बुधनी से चुनाव जीते

मस्तल को 1.4 लाख वोटों से हराया

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के अभिनेता से नेता बने विक्रम मस्तल को 1,04,974 मतों के अंतर से हराकर बुधनी सीट से छठी बार जीत हासिल की। मप्र के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले चौहान ने पहली बार 1990 में बुधनी विधानसभा सीट से जीत हासिल की। वर्ष 2006 में उपचुनाव जीतने के बाद उन्होंने 2008, 2013 और 2018 में यह सीट अपने पास बरकरार रखी। चौहान 1991, 1996, 1998, 1999 और 2004 में विदिशा से लोकसभा सांसद भी रहे। चौहान के समर्थक उन्हें प्यार से 'मामा' कहते हैं। चौहान को इस बार पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं किया गया है।

सिंधिया ने ग्वालियर-चंबल अंचल में दिखाया जलवा

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए यह चुनाव उनके अंचल ग्वालियर-चंबल में किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं था। भाजपा को 2018 के मुकाबले इस अंचल में दोगुना सीटें मिली हैं। पार्टी ने सिंधिया को स्टार प्रचारक बनाकर मुख्य रूप से इसी अंचल की जिम्मेदारी दी थी। उन्होंने आचार संहिता के बाद करीब 80 सभाएं अंचल की सीटों पर कीं। ग्वालियर जिले की भितरवार, ग्वालियर दक्षिण और शिवपुरी की पिछोर सीट को लंबे समय बाद भाजपा ने कांग्रेस से छीन लिया है। पिछोर से कांग्रेस के केपी सिंह कक्कू के कारण भाजपा पिछले छह चुनावों से यहां हार का मुंह देख रही थी। इस बार केपी के शिवपुरी से चुनाव लड़ने के कारण यहां भाजपा ने चुनाव लड़कर पिछोर अपने नाम कर लिया। इसी तरह भितरवार से कांग्रेस के लाखन सिंह लगातार पिछले पंद्रह सालों से जीतते आ रहे थे जिन्हें सिंधिया समर्थक मोहन सिंह राठौर ने हराकर कमल खिला दिया है।

उम्मीद है भाजपा लोगों के भरोसे पर खरा उतरेगी: कमलनाथ

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की हार स्वीकार करते हुए रविवार को कहा कि मुझे आशा है कि जनता ने भाजपा पर जो भरोसा दिखाया है, उस पर वह खरा उतरेगी। कमलनाथ ने कहा, चुनाव परिणाम में मध्यप्रदेश की जनता का फैसला हमें स्वीकार है। उन्होंने कहा कि एमपी के सामने अभी सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रदेश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो और किसानों को खुशहाली मिले। कमलनाथ ने कहा, मैं भाजपा को बधाई देता हूं। जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री बघेल जीते, 8 मंत्री पराजित हुए

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के परिणामों में भाजपा को प्रचंड बहुमत हासिल हुआ है, जिसके बाद भाजपा समर्थकों में जश्न का माहौल है। 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 54 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस 35 सीट ही जीत सकी। वहीं, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने एक सीट पर जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पाटन सीट से विजय हासिल की है। उन्होंने भाजपा के सांसद विजय बघेल को 19,723 मतों से पराजित किया है। लेकिन सीएम बघेल के आठ मंत्रिमंडलीय सहयोगी चुनाव हार गए हैं। तीन अन्य मंत्री चुनाव जीत गए हैं। प्रदेश भाजपा प्रमुख और सांसद अरुण साव ने लोरमी सीट से चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता थानेश्वर साहू को 45,891 वोटों से हराया।

चुनाव परिणाम एक नजर में

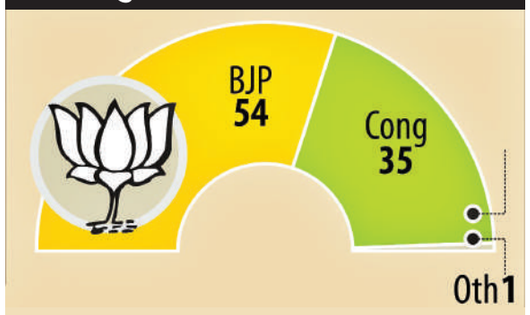

2018 में कांग्रेस ने रचा था इतिहास

कांग्रेस 2018 में 90 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटों पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस ने तब भाजपा का 15 साल का शासन समाप्त कर दिया था और पार्टी सिर्फ 15 सीटों पर सिमट गई थी।

ये मंत्री हारे

राज्य में भूपेश मंत्रिमंडल के आठ मंत्री सीतापुर से अमरजीत भगत, कोरबा से जयसिंह अग्रवाल, दुर्ग ग्रामीण से ताम्रध्वज साहू, नवागढ़ से गुरु रूद्र कुमार, आरंग से शिवकुमार डहरिया, साजा सीट से रविंद्र चौबे, कवर्धा सीट से अकबर भाई और कोंडागांव से मोहन मरकाम चुनाव हार गए हैं। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू भाजपा के ललित चंद्राकर से 16,642 मतों सेचुनाव हार गए।

बघेल ने राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा

पार्टी की हार के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया और कहा कि वह लोगों के जनादेश का सम्मान करते हैं, उनकी पार्टी विपक्ष के रूप में सकारात्मक भूमिका निभाएगी। राज्यपाल हरिचंदन ने उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए उन्हें नई सरकार के गठन तक दायित्व निर्वहन करने को कहा है। कांग्रेस की हार के कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह समीक्षा के बाद पता चलेगा, लेकिन लोगों ने जो जनादेश दिया है, हम उसका सम्मान करते हैं। भाजपा) को जनादेश मिला है और मैं उन्हें बधाई देता हूं।

आदिवासी अंचल का भाजपा को साथ

आदिवासी बहुल उत्तर क्षेत्र सरगुजा और दक्षिण क्षेत्र बस्तर ने इस बार भाजपा का साथ दिया है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने इस क्षेत्र की 26 में से 25 सीटों पर जीत हासिल की थी। राज्य के सरगुजा संभाग में 14 सीटें हैं, जिनमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए नौ आरक्षित हैं।

डिप्टीसीएम हारे

उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव अंबिकापुर सीट पर भाजपा के राजेश अग्रवाल से 94 वोटों से हारे।

कर्नाटक के बाद तेलंगाना में भी कांग्रेस का परचम

एजेंसी | हैदराबाद

कांग्रेस ने तेलंगाना विधानसभा की 119 में से 64 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है और वह तेलंगाना में पहली गैर बीआरएस सरकार का गठन करेगी। दक्षिण भारत में तेलंगाना ऐसा दूसरा राज्य है जहां साल 2023 में कांग्रेस सरकार बनाएगी। इससे पहले पार्टी ने मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं। 56 वर्षीय नेता ने राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और शपथ ग्रहण समारोह के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की, जो चार या नौ दिसंबर को होने की संभावना है।

लोगों की आकांक्षाएं पूरी करेंगे: रेवंत रेड्डी

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने अपने दल की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का आभार जताते हुए रविवार को कहा कि सरकार गठित करने के बाद उनकी पार्टी तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस की जीत 'तेलंगाना के शहीदों' को समर्पित है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने राज्य में पार्टी को मजबूती प्रदान की।

वेंकटरमण ने केसीआर व रेवंत रेड्डी को हराया

भाजपा के उम्मीदवार के. वेंकट रमण रेड्डी ने कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख रेवंत रेड्डी को हराकर दिया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी केसीआर को 6,741 वोटों के अंतर से हराया। वेंकट रमण रेड्डी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उन दोनों के खिलाफ जीत मिली।

चुनाव के परिणाम निराशाजनक, लेकिन दुखी नहीं: रामाराव

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने रविवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के परिणाम 'निराशाजनक' हैं, लेकिन वह 'दुखी' नहीं हैं। रामाराव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में तेलंगाना में सरकार बनाने की ओर अग्रसर दिख रही कांग्रेस पार्टी को बधाई दी। उन्होंने लिखा, भारत राष्ट्र समिति को दो बार लगातार सरकार में आने का मौका देने के लिए तेलंगाना की जनता के आभारी हैं। आज के परिणाम से दुखी नहीं हूं, लेकिन निश्चित रूप से निराश हूं, क्योंकि हमें ऐसी अपेक्षा नहीं थी।

शपथ ग्रहण समारोह आज या 9 को

तेलंगाना पुलिस ने रविवार को कहा कि उसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने चार या नौ दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह के लिए सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए कहा है रेड्डी ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी के संबंध में डीजीपी व अन्य अफसरों को फोन किया और चर्चा की।

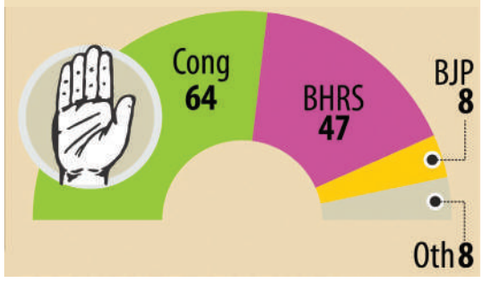

जरूरी खबर

कड़ी सुरक्षा के बीच मिजोरम में मतगणना आज

आइजोल। मिजोरम में विधानसभा चुनाव की सोमवार को होने वाली मतगणना के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस बार चुनाव में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है। मिजोरम में मतगणना रविवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के साथ होनी थी। लेकिन, राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों, चर्च और छात्र संगठनों की अपील के बाद निर्वाचन आयोग ने इसे स्थगित कर दिया।

नोटा के उपयोग में छत्तीसगढ़ रहा सबसे आगे

नई दिल्ली। रविवार को जिन चार राज्यों में मतगणना हुई इनमें से तीन प्रदेशों में एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने हाल में हुए विधानसभा चुनावों में 'उपरोक्त में से कोई नहीं' (नोटा) का विकल्प चुना। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट ने यह जानकारी दी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ तथा तेलंगाना में मतगणना रविवार को हुई, जबकि मिजोरम में मतगणना सोमवार को होगी। मध्य प्रदेश में, हुए 77.15 प्रतिशत मतदान में से 0.98 प्रतिशत मतदाताओं ने तथा छत्तीसगढ़ में, 1.26 प्रतिशत मतदाताओं ने 'नोटा' का बटन दबाया। तेलंगाना में, 0.73 प्रतिशत मतदाताओं ने 'नोटा' का विकल्प चुना। राज्य में 71.14 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसी तरह, राजस्थान में 0.96 प्रतिशत मतदाताओं ने 'नोटा' का विकल्प चुना।

उदित राज ने हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार का ठीकरा इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन पर फोड़ते हुए रविवार को कहा कि इस तरह के नतीजों की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, जरूर ईवीएम में कुछ हुआ है वरना ऐसे नतीजों की उम्मीद नहीं थी। भाजपा के पूर्व सांसद और कांग्रेस के दलित नेता उदित राज ने कहा, आज के चुनाव परिणाम के बाद लगता है जनतंत्र और संविधान का बचना मुश्किल है।

जनादेश: जनता का आभार... पार्टी ने किया अभिनंदन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद रविवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों का आभार व्यक्त करते पीएम मोदी तथा पीएम का स्वागत करते पार्टी नेता।

अब कौन बनेगा मुख्यमंत्री... भाजपा में चर्चा शुरू

एमपी: शानदार जीत के बाद चौहान की दावेदारी मजबूत

एजेंसी | नई दिल्ली

भाजपा के दो-तिहाई बहुमत से जीत के करीब पहुंचने के बाद मध्य प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएं अब पृष्ठभूमि में चली गई हैं क्योंकि शिवराज सिंह चौहान ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद एक बार फिर इस हिंदी राज्य में अपनी लोकप्रियता का लोहा मनवाया है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा नहीं की थी।

कुछ प्रतिद्वंद्वियों की मौजूदगी के बावजूद चौहान मध्य प्रदेश में सत्ता में बने रहने के लिए पसंदीदा नेता के रूप में उभरे हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ और राजस्थान में नेतृत्व की दौड़ खुली हुई है। इन दोनों राज्यों में भाजपा ने कांग्रेस से सत्ता छीनी है। तीन हिंदी भाषी राज्यों में शीर्ष पद के लिए कई संभावित दावेदारों ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। पार्टी ने अतीत में उन नेताओं पर भी अपना भरोसा जताया है जो राज्य विधानसभाओं के सदस्य नहीं थे, जैसे कि 2017 में योगी आदित्यनाथ। पार्टी ने बाद में उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए चुना था। दिमनी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया को लंबे समय से मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में देखा जाता रहा है।

हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं ने यह भी कहा कि परिणाम राज्यों में पीएम मोदी के एजेंडे के लिए व्यापक समर्थन को रेखांकित करते हैं। तेलंगाना में वह अपनी वोट हिस्सेदारी और सीटों की संख्या में सुधार के बावजूद तीसरे स्थान पर बनी हुई है।

छत्तीसगढ़: रमन सिंह, अरुण साव, धरमपाल कौशिक व ओपी चौधरी सीएम पद की दौड़ में शामिल

छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण कुमार साव, विपक्ष के नेता धरमलाल कौशिक और पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी को राजनीति पर नजर रखने वाले लोग इस शीर्ष पद के दावेदारों के रूप में देख रहे हैं। सिंह को छोड़कर तीनों नेता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। हालांकि, यहां यह भी ध्यान देने की बात है कि मुख्यमंत्री पद की पसंद से भाजपा नेतृत्व ने अक्सर सभी को चौंकाया भी है। हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर को जब मुख्यमंत्री पद के लिए चुना गया था तब किसी को इसका अंदाजा भी नहीं था। भाजपा सूत्रों की ओर से ऐसी ही बात केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह सरूता को लेकर कही जा रहा है। वह जनजातीय समाज से आती हैं और महिला हैं। छत्तीसगढ़ के गठन के बाद अब तक इस राज्य में कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं हुआ है। भाजपा शासित किसी भी राज्य में कोई महिला फिलहाल मुख्यमंत्री नहीं है।

विपक्ष को घेरने की तैयारी में भाजपा

संसद का शीतकालीन सत्र आज से, हंगामेदार रहने के आसार

एजेंसी | नई दिल्ली

हिंदी पट्टी के तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपनी जीत से उत्साहित भाजपा सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष को घेरने की कोशिश करेगी, जबकि विपक्षी दल मणिपुर तथा जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग जैसे कुछ विषय उठाने का प्रयास कर सकते हैं। सत्र के दौरान लोकसभा में में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को 'रिश्वत लेकर सवाल पूछने' के आरोप में निष्कासित करने की सिफारिश संबंधी रिपोर्ट पेश करने पर सदन में हंगामा हो सकता है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, अगर विपक्ष संसद को बाधित करता है, तो उसे रविवार से भी बुरे नतीजों का सामना करना पड़ेगा।

इंडिया के नेता आज तय करेंगे रणनीति

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेता संसद के अंदर और चुनावी मैदान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा से मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीतियों को नए सिरे से तैयार करने के लिए सोमवार सुबह बैठक करेंगे।

मोइत्रा मामले में आज पेश होगी रिपोर्ट

संसद में 'सवाल पूछने के लिए पैसे लेने' से संबंधित शिकायत पर आचार समिति की रिपोर्ट सोमवार को सदन में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध है। लोकसभा में उप नेता राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को हुई सर्वदलीय बैठक में तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले में कोई भी निर्णय लेने से रिपोर्ट पर चर्चा कराने की मांग की थी।

तेलंगाना: पुलिस महानिदेशक को किया निलंबित

महंगा पड़ा गुलदस्ता भेंट करना

एजेंसी | नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार को निलंबित करने का रविवार को आदेश दिया।

भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रवि गुप्ता को पुलिस महानिदेशक का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। रवि गुप्ता वर्तमान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक हैं।

सूत्रों ने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई इसलिए की क्योंकि राज्य पुलिस के नोडल अधिकारी संजय जैन और नोडल अधिकारी (व्यय) महेश भागवत के साथ डीजीपी ने मतगणना के बीच हैदराबाद में कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष एवं पार्टी उम्मीदवार अनुमूला रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और उन्हें फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया।

BJP की अब 12 राज्यों में होगी सत्ता

एजेंसी | नई दिल्ली

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन में स्पष्ट जीत से अब अपने दम पर 12 राज्यों में सत्ता में होगी, जबकि दूसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हारने के बाद तीन राज्यों में सिमट जाएगी। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा शासित राज्यों में अब 543 लोकसभा सीटों में से लगभग आधी सीटें होंगी, जबकि केवल दो राज्य जहां 50 से कम लोकसभा सीटें हैं, अब उन दलों द्वारा शासित हैं जो राजग या विपक्षी दलों के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' गठबंधन के साथ नहीं हैं। दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकार के साथ आम आदमी पार्टी (आप) राष्ट्रीय दलों में तीसरे स्थान पर है। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, गोवा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में सत्ता में है।

विधानसभा चुनाव परिणाम

गठबंधन में कांग्रेस की मोलभाव करने की स्थिति हो सकती है कमजोर

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त न सिर्फ उसके लिए बड़ा झटका है, बल्कि यह हार विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में नेतृत्व एवं सीट बंटवारे पर मोलभाव करने की उसकी स्थिति को संभवतः कमजोर कर सकती है।

इसकी बानगी भी चुनावी रुझानों में तीन राज्यों में कांग्रेस की हार नजर आने के साथ ही मिल गई थी, जब गठबंधन के एक प्रमुख घटक जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि देश का मुख्य विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में सक्षम नहीं है। जद (यू) के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस की पराजय और भाजपा की विजय का संकेत देते हैं। चुनावों में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन गायब था।

अखिलेश पर कमलनाथ की टिप्पणी जिम्मेदार

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हार के बाद समाजवादी पार्टी ने यह दावा तक कर दिया कि इस पराजय के लिए अखिलेश यादव के बारे में कमलनाथ की टिप्पणी जिम्मेदार है। कमलनाथ ने सीट बंटवारे के विवाद के संदर्भ में अखिलेश यादव को लेकर 'अखिलेश वखिलेश' वाली टिप्पणी की थी। सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब शायद कमलनाथ जी के समझ में बात आ गई होगी। अखिलेश यादव जी का मतलब क्या है। ज्ञात रहे कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने 'इंडिया' गठबंधन गठित किया है।

जनादेश स्वीकार, विचारधारा की लड़ाई रहेगी जारी: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं तथा विचारधारा की लड़ाई जारी रखेंगे। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं, विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद। 'प्रजाला तेलंगाना' बनाने का वादा हम ज़रूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया।

चुनाव के नतीजों का 'इंडिया' गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा: पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों का विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। 'इंडिया' गठबंधन में कांग्रेस के नेतृत्व में 25 से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। पवार ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इससे 'इंडिया' गठबंधन पर कोई असर पड़ेगा। हम दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक करेंगे। हम उन लोगों से बात करेंगे जो जमीनी हकीकत जानते हैं। हम बैठक के बाद ही इस पर टिप्पणी कर पाएंगे। तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति कांग्रेस से पिछड़ रही है, इस पर पवार ने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पवार ने दावा किया, 'पहले, यह माना गया था कि बीआरएस तेलंगाना में सत्ता बरकरार रखेगी। हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रैली के बाद, जिन्हें भारी समर्थन मिला था, हमें एहसास हुआ कि राज्य में बदलाव होगा। पवार की पार्टी राकांपा 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है।

लेडीज ग्रुप ने एक प्लेटफॉर्म पर आकर किया एक-दूसरे को थैंक्स

पार्टी में AI और चेट GPT के बिखरे रंग

बेधड़क.जयपुर। फ्रेंड्स के साथ खुशी बांटी तो किसी ने थैंक्स कहकर गले लगाया। फोटो शूट की बारी आई तो खिली-खिली धूप में लेडीज ने वेस्टर्न आउट फिट्स में सेल्फी और ग्रुप फोटोज क्लिक कराए। हर कोई इन पलों को पूरी तरह से जी लेना चाहता था। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और चेट जीपीटी जैसे विषय पार्टी में रखे गए। ये अनूठी पार्टी फिट बॉडी एंड सोल की थैंक्स गिविंग पार्टी के रूप में मनाई गई। जहां बड़ी संख्या में लेडीज ने पार्टिसिपेट कर एंजॉय किया। पार्टी में मैंबर्स ने दिसंबर और सर्दी का स्टाइलिश स्वागत किया। थैंक्स गिविंग एक ऐसा मौका रहा, जहां ट्रेडिशनल तरीके से गुजरे साल के लिए धन्यवाद किया गया और आने वाले अच्छे टाइम के लिए दुआ की गई।

करेंगे एक-दूसरे के ब्रांड्स को प्रमोट

वैशाली मोदी व प्राची खंडेलवाल ने एक-दूसरे को थैंक्स करने लिए एक-दूसरे के ब्रांड्स को प्रमोट व बिजनेस देने का जिम्मा उठाया। वहीं, डॉ. ऋचा शर्मा व शेफाली जैन ने मैंबर्स को मजेदार गेम्स के जरिए बॉन्डिंग बढ़ाई। जूही अहलूवालिया, कीर्ति जैन, प्रीति अमामन, अनुप्रिया चौधरी, मेघा कोटवाला, कीर्ति राजोरिया, पूजा-सरिता अग्रवाल, प्रियंका बार्डिया, वर्षा माहेश्वरी सहित पार्टी में रहे।

एक-दूसरे को शुक्रिया कहने का तरीका

फाउंडर मेघा गुप्ता ने बताया कि पार्टी का आयोजन साल के अंत में मैंबर्स को थैंक्स करने के लिए किया गया। उनको पंपर करने के लिए उनके लिए स्पेशल नेल केयर व एक्सटेंशन कराए गए। स्टूडियो बाय किआरा की टीम ने सबको बहुत सुंदर तरीके से सजाया। साक्षी तालुका ने सभी मैंबर्स की सेहत का ध्यान रखने के लिए सर्दी वाले स्पेशल ड्राई फ्रूट्स गिफ्ट किए। इस मौके पर हांगकांग यूनिवर्सिटी से आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का कोर्स पूरा करने वाली एक्सपर्ट सुहानी जैन ने लेडीज को चेट जीपीटी का रूटीन लाइफ में प्रैक्टिकल इस्तेमाल सिखाया। उन्होंने बताया कि एआई में भी यदि हम दिमाग से काम करें तो मैजिक क्रिएट किया जा सकता है।

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के मिलेंगे पीले अक्षत

बेधड़क. जयपुर। रामजन्म भूमि पर रामलला के मंदिर निर्माण व प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पर जयपुर सहित प्रदेश के गांवों, कस्बों, शहरों, नगरों और महानगरों में घर-घर पीले अक्षत बांटे जाएंगे। इसके लिए जयपुर से इक्कीस क्विंटल पीले चावल विश्व हिंदू परिषद व रामराज्य चेरिटेबल ट्रस्ट संयुक्त तत्वावधान में रवाना किए गए। साथ ही जयपुराइट्स राम महोत्सव के लिए घरों में दीपक प्रज्वलित करके व झालर शंख नगाड़ा की ध्वनि के साथ प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखेंगे। साथ ही शहर के मंदिरों में हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, अखंड रामायण पाठ, राम रक्षा स्त्रोत व विजय मंत्र राम जय राम जय जय राम का मंत्र व महाआरती होगी। 22 जनवरी को श्रीराम के बाल रूप नूतन विग्रह को श्री राम जन्म भूमि पर बन रहे नवीन मंदिर भूतल के गर्भ गृह में विराजित करके प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी और उसी दिन से जयपुर में विभिन्न आयोजन होंगे। लगभग 5 हजार किलो चावल पीले करके भेजे जाएंगे, जिसमें से इक्कीस क्विंटल पीले चावल शनिवार को रवाना किए गए।

दहेज में पिता से नशा मांग लेना, वे पल में शराब छोड़ देंगे

बेधड़क. जयपुर। कन्याओं, किशोरियों, युवतियों की छिपी प्रतिभा-योग्यता तथा मौलिक गुणों को उभारने के लिए गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ में कन्या कौशल सेमिनार का आयोजन किया गया। करीब 2 हजार छात्राओं ने हिस्सा लिया और मध्य प्रदेश की युवती तनू पाटीदार ने कहा कि बेटियों पर दोहरी जिम्मेदारी है। शिक्षार्जन के साथ घर-परिवार का काम करना होता है। इसमें जी नहीं चुराना चाहिए। पेड़ लगाने और नशा मुक्ति के क्षेत्र में लड़कियां बहुत अच्छा कार्य कर सकती है। वहीं, कुमारी पूर्णिमा पंवार ने कहा कि जिस लड़की के पिता या अन्य परिजन शराब पीते हैं अथवा कोई अन्य नशा करते हैं तो अपनी शादी के दहेज में पिता से नशा मांग लें पिता शराब छोड़ देंगे। कुमारी मिमांसा ने कहा कि शास्त्रों में कन्या या नारी को देवी की संज्ञा दी गई है। आज हर लड़की के अंदर सोए देवत्व को जगाने की आवश्यक्ता है। लड़कियां मोबाइल का अत्याधिक उपयोग और पाश्चात्य संस्कृति छोड़कर भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाएं और इसमें गौरव महसूस करें। शुरुआत में वेदमाता गायत्री और गुरु सत्ता के पूजन और प्रज्ञागीतों की भावभरी प्रस्तुतियों के बाद विभिन्न वक्ताओं ने बेटियों को संबोधित किया।

City इवेंट्स

सर्वेश्वर संसद परिसर भक्तिरस से सराबोर

बेधड़क. जयपुर। जयपुराइट्स ने श्रीनिंबार्क जयंती पर महोत्सव मनाया। इस अवसर पर गायक कलाकारों ने भक्ति रस से परिपूर्ण भजनों की प्रस्तुति से सर्वेश्वर संसद परिसर को राधे-कृष्ण के भजनों की रसधार से सराबोर कर दिया। भजन गीता जुगल सैनी ने राधा सर्वेश्वर सुख रास, श्री निम्बारक श्री हरिव्यास.. अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। साथी कलाकरों ने भी ठाकुर श्री आनन्द कृष्ण बिहारी के चरणों में भजनों की हाजरी लगाई। त्रिवेणी कुमावत ने महा मधुर मंगलमय राधा..., संगीता महर्षि ने गिरधारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे..., थां की जय हो अरुण कुमार जयंती के लाला..., मोनिका ने तेरी वंशी जाउं बलिहारी रसिया... पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे... आदि भजनों की प्रस्तुति से उत्सव स्थल आनन्दमय बनाया।

जयपुराइट्स ने किया श्रमदान

बेधड़क. जयपुर। सर्द सुबह में जयपुराइट्स निकल पड़े शहर को ग्रीन बनाने और श्रमदान करते हुए गुलाबी नगरी को साफ करने का भी जिम्मा उठाया। मौका था टीम 10 का विद्याधर नगर में श्रमदान करने का। इस दौरान 20 लोगों के ग्रुप ने काम किया और 14 बड़े टैंकर पानी पेड़ों में डाला गया तो एक पिकअप में मलवा भी उठाया गया। ट्री एंबुलेंस दोपहर एक बजे तक विद्याधर नगर की गलियों के पेड़ों की सार-संभाल करती रही। उन्होंने बताया कि सोमवार को भी श्रमदान होगा और नेशनल हैंडलूम के पास हनुमंत टावर के पीछे पौधा रोपण किया जाएगा।

दिव्या दत्ता लेडीज से करेंगी इंटरेक्शन

बेधड़क. जयपुर। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिव्या दत्ता जयपुर की लेडीज के बीच होंगी और इंटरेक्टिव सेशन में जर्नी शेयर करते हुए चर्चा करेंगी। इसके लिए फिक्की फ्लो जयपुर चेप्टर की ओर से सोमवार को होटल आईटीसी राजपुताना में चेयरपर्सन नेहा ढडडा के साथ एक्ट्रेस रोल्स, रियलिटीज एंड रिफ्लेक्शन टॉपिक पर चर्चा करेंगी। कार्यक्रम में फ्लो की मैंबर्स मौजूद रहेंगी, जो दिव्या से सवाल करेंगी।

'अहिंसक शाकाहार' विषय पर गोष्ठी

सेल्फी स्टैंड पर समाज ने लिए शाकाहार अपनाने के नियम

बेधड़क | जयपुर

जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में आचार्य वसुनंदी महाराज के शिष्य मुनि सर्वानन्द मुनि जिनानंद व मुनि पुण्या नन्द महाराज ससंघ के सानिध्य में 'अहिंसक शाकाहार' विषय पर गोष्ठी हुई। राजस्थान जैन साहित्य परिषद व धर्म जागृति संस्थान राजस्थान द्वारा हुई संगोष्ठी में कई विचार सामने आए। जनकपुरी प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने भगवान नेमिनाथ की धरा जनकपुरी में अभिनंदन किया। मंगलाचरण शकुंतला बिंदायक्य व मंजु पाटनी ने तथा दीप प्रज्वलन डॉ. इंद्र कुमार जैन ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. किरण प्रकाश शास्त्री व साहित्य परिषद अध्यक्ष डॉ. विमल कुमार शास्त्री के सम्मान के बाद गुरु आज्ञा प्राप्त कर संगोष्ठी संयोजक महावीर चांदवाड़ ने मुख्य वक्ता को संबोधन के लिए आमंत्रित किया। मुनि जिनानंद ने कहा कि वसुनंदीजी ने वीर निर्वाण स. 2550 को अहिंसकाहार वर्ष मनाने हेतु आह्वान किया है। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया ने सेल्फी स्टैंड पर आकर शाकाहार के नियम अपनाने के लिए आग्रह किया। सभा में परिषद के महेश चांदवाड, हीरा चंद बैद, सुभाष चौधरी, सुदर्शन पाटनी, ज्ञान चंद जैन, सुनील पहाड़िया, महेश काला, सुनील सेठी, सोभाग अजमेरा, राजेंद्र ठोलिया, सुरेश शाह, मयंक पाटनी, राजेंद्र पापड़ीवाल जनकपुरी के देवेंद्र कासलीवाल, मिश्री लाल काला, धन कुमार शाह, महावीर बिंदायक्य, नवीन सेठी, अजय जैन मीरा मार्ग के सुशील पहाड़िया आदि की सहभागिता रही।

नवाचार और दूरदर्शी पहल पर सेमिनार

चुनौतियों से निपटने के लिए नवीन दृष्टिकोण की वकालत

बेधड़क | जयपुर

आने वाली चुनौतियों से निपटने और क्षमता को उजागर करने के लिए सहयोगात्मक और नवीन दृष्टिकोण की वकालत करने में मदद के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के पीएचडीसीसीआई के सहयोग से 'नवाचार, सशक्तीकरण और दूरदर्शी पहल' विषय पर राजस्थान विकास संवाद-2023 की 7वीं सेमिनार में विशेषज्ञों ने विचार रखे। निदेशक डॉ. प्रभात पंकज ने बताया कि इस दौरान व्यापक छात्र-संचालित एसएमई रिपोर्ट का अनावरण किया गया। रिपोर्ट राजस्थान के लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में उद्योग विसर्जन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में छात्रों द्वारा प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि पर आधारित थी। 'ग्रामीण पुनर्जागरणः राजस्थान के कल के लिए कृषि का पोषण' विषय पर सत्र में अध्यक्ष प्रबंध निदेशक सनराइज एग्रीलैंड डेवलपमेंट एंड रिसर्च प्रा. लि. डॉ. अतुल गुप्ता, राधेश्याम शर्मा व लक्ष्मण प्रसाद शर्मा ने विचार रखे। 'सशक्त राजस्थानः एक उज्जवल कल के लिए सामाजिक क्षेत्र के नवाचार' सत्र में वात्सल्य लिगेसी एजुकेशन की संस्थापक निशा ग्रोवर ने संबोधित किया। संस्थापक ड्रीम अचीवर क्लब प्रीति गोयल, संस्थापक शिल्पायन संस्थान लक्ष्मी अशोक, आई-इंडिया की प्रोजेक्ट मैनेजर लवीना राठौड़ ने अनुभव साझा किए। समापन सत्र के अतिथि अमित कुमार चौधरी सह-अध्यक्ष, पीएचडीसीसीआई-राजस्थान चैप्टर व निदेशक डीडी फार्मास्यूटिकल्स रहे। संयोजन डॉ. वरुण चोटिया और डॉ. अपर्णा मेंदीरत्ता ने किया।

वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता | **इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स आरसी-6 का आयोजन**

एक प्लेटफॉर्म पर 14 टीमों की गर्ल्स, दिखाया टैलेंट

बेधड़क | जयपुर

जयपुर की कई कॉलेजों की टीमें एक छत के नीचे आईं और हेल्दी कॉम्पीटिशन में पार्टिसिपेट करते हुए हुनर दिखाया। मौका था कानोड़िया पीजी गर्ल्स कॉलेज के भौतिकशास्त्र विभाग की ओर से इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स आरसी-6 के संगठन द्वारा प्रो. बीएल सर्राफ की 100वीं वर्षगांठ पर अंतर महाविद्यालय 'वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता' का।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में सीआईएसटी, आईआईएस व आईएपीटी आरसी-6 के अध्यक्ष प्रो. वाईके विजय मुख्य वक्ता रहे, जिन्होंने प्रो. बीएल सर्राफ की लेगसी व उनसे जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में चौधरी बंशीलाल विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. विपिन जैन ने भौतिकी के सिद्धांतों को आकर्षक प्रयोगों द्वारा समझाया।

छात्राओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना

समापन समारोह व पुरस्कार वितरण में विमला सर्राफ व राजू सर्राफ मुख्य-अतिथि रहे। महाविद्यालय प्राचार्य तथा निर्णायकगणों द्वारा छात्राओं की सक्रिय भागीदारी व प्रयासों की सराहना की गई। कार्यक्रम की संयोजक (विभागाध्यक्ष) डॉ. सरला शर्मा व डॉ. सुमिता शेखावत रही। विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. दीप्ति चौहान, डॉ. रेखा प्रजापत, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. हर्षा शर्मा तथा रिचा शर्मा की सक्रिय भूमिका रही। अंत में डॉ. सुमिता शेखावत द्वारा धन्यवाद किया।

कानोड़िया कॉलेज की छात्राएं रहीं फर्स्ट

प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की कुल 14 टीम ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. उषा भाटिया, डॉ. विपिन जैन व डॉ. नरेन्द्र जाखड़ रहे। इस दौरान कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय की छात्राएं फर्स्ट, सुरेश ज्ञानविहार विश्वविद्यालय की गर्ल्स दूसरे स्थान पर रही तो एसएस जैन सुबोध कॉलेज के युवाओं ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, सोमवार, 04 दिसंबर, 2023

12

समय इंसान को सफल नहीं बनाता, समय का सही इस्तेमाल इंसान को सफल बनाता है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

भारत एवं जापान के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूत करना है मकसद

भारतीय नौसेना का जलपोत 'INS कदमत्त' पहुंचा जापान

एजेंसी | टोक्यो

भारतीय नौसेना का जलपोत 'आईएनएस कदमत्त' जापान पहुंच गया है। रविवार को इस यात्रा की जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आईएनएस कदमत्त एक पनडुब्बी रोधी लड़ाकू जलपोत है। यह जलपोत अत्याधुनिक हथियारों से लैस है। उत्तरी प्रशांत महासागर में लंबी दूरी की ऑपरेशनल तैनाती पर आईएनएस कदमत्त जापान पहुंचा है। इस यात्रा का मकसद भारत एवं जापान के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूत करना है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ऑपरेशनल टर्नअराउंड (ओटीआर) के लिए भारतीय नौसैनिक जहाज ने जापान के योकोसुका में प्रवेश किया है। इस प्रवास के दौरान पेशेवर संवाद और सामुदायिक कल्याण की गतिविधियों

सहित जहाज पर यात्राओं की योजना तैयार की गई हैं। जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) के साथ बातचीत में जहाजों पर परस्पर दौरा (क्रॉस-शिप विजिट), विचारों का पेशेवर आदान-प्रदान, संयुक्त योग शिविर और समुद्री साझेदारी अभ्यास (एमपीएक्स) के लिए समन्वय बैठक शामिल होगी।

पनडुब्बीरोधी लड़ाकू जलपोत

आईएनएस कदमत्त की जापान यात्रा और जेएमएसडीएफ के साथ बातचीत का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र के बारे में दोनों देशों के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत एवं जापान के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूत करना है। आईएनएस कदमत्त स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई और निर्मित एक पनडुब्बी रोधी लड़ाकू जलपोत है।

आज नौसेना दिवस मनाएंगे

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि योकोसुका में यह जहाज जापान में भारतीय प्रवासियों की उपस्थिति में 4 दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस मनाएगा। हाल ही में, आईएनएस कदमत्त ने दोनों नौसेनाओं के बीच हस्ताक्षरित आपूर्ति एवं सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान (आरपीएसएस) के सिद्धांतों के तहत 28 नवंबर 2023 को ओकिनावा तट पर जेएमएसडीएफ फास्ट कॉम्बैट सपोर्ट शिप, जेएस टोवाडा के साथ ईंधन भरने का कार्य भी किया है।

पाकिस्तान से 4 लाख अफगानी किए बाहर

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान से अवैध अफगानों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। पाकिस्तान से अब तक चार लाख से अधिक अवैध अफगानों के उनके देश भेजा जा चुका है। अफगानों समेत कम से कम 4,02,312 अवैध विदेशियों को उनके देश भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों को पाकिस्तान से सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से उनके देश भेजा जा रहा है। बता दें कि पाकिस्तान में बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों की स्वदेश वापसी की प्रक्रिया जारी है और इसी के तहत अफगानों को अफगानिस्तान भेजा जा रहा है। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि हजारों अफगानों को चमन और तोरखम सीमाओं के माध्यम से स्वदेश भेजा जा रहा है। शुक्रवार को 3,776 अवैध अफगान नागरिक अपने देश लौटे।

बढ़ सकती हैं अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की मुश्किलें

महाभियोग के लिए वोटिंग

अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के पूर्व स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने लगाए आरोप

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की मुसीबते बढ़ सकती हैं। इसके संकेत अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने दिए हैं। उन्होंने कहा है कि रिपब्लिकन जो बाइडेन के खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने के लिए जल्द ही औपचारिक मतदान कर सकते हैं।

बता दें कि अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के पूर्व स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने सितंबर में जो बाइडेन के खिलाफ जांच शुरू की थी, जिसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि रिपब्लिकन पार्टी जो बाइडेन के खिलाफ महाभियोग ला सकती है। वहीं, बाइडन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है।

अमेरिकी सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो हमें इस समय करना होगा।

जीओपी सम्मेलन अध्यक्ष एलिस स्टेफनिक के साथ मौजूद माइक जॉनसन ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस जांच को अधिकृत करने के लिए पर्याप्त वोट थे। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस से जानकारी प्राप्त करने के लिए उठाया जाने वाला यह आवश्यक कदम था। माइक जॉनसन ने कहा कि एलिस और मैंनें दोनों ने डोनाल्ड ट्रम्प की महाभियोग रक्षा टीम में दो बार काम किया है। जब डेमोक्रेट्स ने इसका इस्तेमाल पक्षपातपूर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया था। ये बहुत अलग है।

जो बाइडेन पर लगे हैं ये आरोप

केविन मैक्कार्थी ने जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडेन के विदेशी व्यापार को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने इन आरोपों को नकारा है। हालांकि अभी तक जांच का दायरा साफ नहीं है। वहीं राष्ट्रपति बाइडेन ने आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि उन्होंने कभी भी हंटर बाइडेन के व्यापार साझेदारों के साथ व्यापार को लेकर बात नहीं की। सितंबर 2023 में जब जब बाइडेन से इस बारे में सवाल किया गया था तब बाइडेन ने कहा था कि कट्टरपंथी रिपब्लिन पार्टी के नेता उनके खिलाफ महाभियोग चलाना चाहते हैं और सरकार को बंद करना चाहते हैं।

रूस ने यूक्रेन पर क्रूज मिसाइलें दागी

कीव। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने यूक्रेन पर शनिवार रात 12 ड्रोन और क्रूज मिसाइल से हमला किया। हालांकि वायु रक्षा प्रणाली ने 10 ड्रोन को निशाने पर पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिया। क्रूज मिसाइल नष्ट नहीं हुई लेकिन अपने निशाने पर नहीं पहुंची। वायु सेना ने बताया कि ईरान निर्मित शहीद ड्रोन यूक्रेन के उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ रहे थे।

हादसे में सांसद समेत चार लोगों की मौत

पराग्वे में उड़ान भरते ही विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी | असंसियन

दक्षिणी अमेरिकी देश पराग्वे में शनिवार को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में एक सांसद समेत चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने ये जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, विमान असंसियन से लगभग 180 किमी दूर उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस

विमान में सत्तारूढ़ कोलोराडो पार्टी के सांसद वाल्टर हार्म्स और उनकी टीम के लोग सवार थे और हादसे में उनकी और अन्य तीन लोगों की मौत हो गई। पराग्वे के उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना ने इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, मुझे अपने सहकर्मी और मित्र वाल्टर हार्म्स के निधन की दुखद खबर मिली है। उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर की, जिसमें एक खेत में जलता हुआ मलबा दिखाई दे रहा है।

मून पर स्टेशन की स्थापना को हरी झंडी

चांद पर बेस, चीन की मदद करेगा रूस

एजेंसी | बीजिंग

चीन और अमेरिका के बीच की प्रतिस्पर्धा स्पेस तक पहुंच चुकी है। एक तरफ जहां अमेरिका एक बार फिर इंसानों को चांद पर भेजना चाहता है तो वहीं चीन ने भी चांद पर बेस बनाने का लक्ष्य बना रखा है। लेकिन अब चीन और रूस मिलकर चांद से जुड़े मिशन चलाने वाले हैं।

रूस की ओर से इस सप्ताह चंद्रमा पर चीन के साथ नो लिमिट पार्टनरशिप को मंजूरी दी गई है। इसे चीनी मीडिया ने भविष्य के चंद्रमा बेस के लिए परफैक्ट मैच बताया है। पिछले साल चीन और रूस ने चांद पर स्टेशन बनाने को लेकर एक समझौता किया था। रूस की सरकारी मीडिया ने बताया कि सरकारी विधान आयोग ने स्टेशन की स्थापना को हरी झंडी

दे दी है। यह एक बड़ा डेवलपमेंट है, जो ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों और अमेरिका के बीच भू-राजनीतिक तनाव है।

फरवरी 2022 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर से यूक्रेन पर हमले का आदेश देने से ठीक पहले चीन और रूस ने घोषणा की थी कि वे 'नो लिमिट' पार्टनरशिप पर पहुंच गए हैं। चीन और रूसी मीडिया का कहना है कि 2030 के अंत तक चंद्रमा पर बेस बनने की उम्मीद है। वहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर लंबे समय तक रह सकेंगे।

कैसे बनाया जाएगा बेस!

रूस और चीन अपनी परियोजना को तीन चरणों में आगे बढ़ाएंगे। सबसे पहले दोनों देश बेस के लिए सबसे अच्छी जगह को निर्धारित करेंगे। इसके बाद वह एक कंट्रोल सेंटर बनाएंगे, जहां कार्गो पहुंचाना शुरू किया जाए। इसके जरिए बिजली, परिवहन और संचार प्रदान करने के लिए कक्षा में मॉड्यूल स्थापित करेंगे। अंत में वे चंद्रमा पर अन्य मॉड्यूल बनाएं और लोगों को सतह पर पहुंचाएंगे। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि जॉइंट प्रोजेक्ट अपनी-अपनी क्षमता के जरिए एक दूसरे की ताकत बढ़ाएंगे। चीन संसाधन और कौशन का इस्तेमाल करेगा।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।